छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 32 ■ अम्बिकापुर, बुधवार 21 जनवरी 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

छत्तीसगढ़-झारखण्ड सीमा में हुई भीषण बस दुर्घटना की जांच के लिए कमेटी गठित

आईजी ने निष्पक्ष, तथ्यपरक, समयबद्ध जांच के साथ घटना के लिए जिम्मेदारी तय करने के दिए निर्देश

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़-झारखण्ड सीमा के ओरसा घाट में हुई भीषण बस दुर्घटना की जांच के लिए सरगुजा रेंज के आईजी ने जांच कमेटी का गठन किया हे। दुर्घटना में दोषी पाए जाने पर वाहन स्वामी, चालक के साथ-साथ लापरवाह पुलिस एवं परिवहन अधिकारियों पर भी सख्त कार्रवाई का उन्होंने संकेत दे दिया है।

बता दें कि 18 जनवरी को छत्तीसगढ़-झारखण्ड सीमा स्थित ओरसा घाट में सवारी लेकर जा रही एक स्कूल बस के भीषण सड़क दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से 10 व्यक्तियों की मृत्यु हो गई थी एवं कई लोग घायल हो गए थे। घटना को पुलिस महानिरीक्षक, सरगुजा रेंज दीपक कुमार झा ने गंभीरता से संज्ञान में लिया है। पुलिस महानिरीक्षक ने दुर्घटना के स्पष्ट एवं वास्तविक कारणों की जांच हेतु एक विशेष जांच समिति का गठन करते हुए प्रकरण की विस्तृत जांच रिपोर्ट शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। पुलिस महानिरीक्षक ने बलरामपुर जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विश्व दीपक त्रिपाठी के नेतृत्व में अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को शामिल करते हुए जांच टीम का गठन किया है और निर्देशित किया है कि निष्पक्ष, तथ्यपरक एवं समयबद्ध जांच कर दोषियों की जिम्मेदारी तय की जाए, जिससे भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

गहन परीक्षण के लिए तय किए गए बिंदु

गहन जांच, परीक्षण के लिए विशेष बिंदुओं तय किए गए हैं। इसमें निजी स्कूल बस को सवारी परिवहन कर दिगर राज्य जाने की वैध अनुमति, परमिट किसके द्वारा प्रदान की गई। वाहन की फिटनेस एवं पंजीयन की वैधता, वाहन चालक के हैवी मोटर व्हीकल ड्राइविंग लाइसेंस की वैधता, दुर्घटनाग्रस्त बस की सिटिंग क्षमता एवं वास्तविक रूप से सवार यात्रियों की संख्या, ओवर लोडिंग, लापरवाही अथवा नियमों के उल्लंघन के तथ्य के अतिरिक्त जांच के दौरान यह भी परीक्षण किया जाएगा कि संबंधित क्षेत्र में पुलिस एवं परिवहन विभाग द्वारा समय-समय पर वाहन जांच, फिटनेस एवं ओवरलोडिंग के विरुद्ध कार्रवाई की गई थी अथवा नहीं। यदि किसी भी स्तर पर कर्तव्य में लापरवाही, शिथिलता या उदासीनता पाई जाती है, तो ऐसे पुलिस एवं परिवहन विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर विभागीय एवं वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

घायलों से मिले संभागायुक्त, स्वजन का मनोबल बढ़ाया

सरगुजा संभागायुक्त नरेंद्र दुग्गा सोमवार को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती छत्तीसगढ़-झारखंड सीमा पर महुआडांड़ के ओरसा घाट में हुए बस हादसे में घायल मरीजों से मिले। उन्होंने मरीजों एवं उनके स्वजनों से मिलकर उनका कुशलक्षेम जाना और संवाद करके उनका मनोबल बढ़ाया। चिकित्सकों को निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा कि सभी घायलों को समुचित एवं उत्तम चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, उपचार में किसी प्रकार की लापरवाही ना बरतें। उन्होंने चिकित्सालय के डीन एवं अस्पताल अधीक्षक को व्यक्तिगत रूप से उपचार की निगरानी करने एवं आवश्यक चिकित्सा प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ठंड को देखते हुए मरीजों हेतु अतिरिक्त कम्बल एवं कपड़ों की व्यवस्था करने कहा। अस्पताल अधीक्षक ने बताया कि सभी घायलों की स्वास्थ्य स्थिति स्थिर है, इनकी लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। संभागायुक्त ने इस दौरान अस्पताल की व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया तथा मरीजों हेतु सुविधाओं का अवलोकन कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मृतक के स्वजनों को मिलेगा 5-5 लाख

भाजपा नेता धीरज सिंह देव ने बताया कि सभी मृतकों अंतिम संस्कार प्रशासन और स्थानीय लोगों की मदद से किया गया है। मृतकों के परिवार के सदस्य अत्यंत गरीब थे। दुख की घड़ी में सभी लोग उनके साथ हैं। मुख्यमंत्री ने मृतक के परिजनों को 5-5 लाख एवं घायलों के स्वजन को 50-50 हजार रुपये देने की घोषणा की है। प्रदेश के कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने तत्काल सहायता राशि प्रदान करने और हर संभव मदद करने के निर्देश दिए हैं।

जमुआटांड में एक साथ जली 5 चिता, एक को किया दफन

बस हादसे में मृत 10 लोगों को उनके गृहग्राम में नम आंखों से दी अंतिम विदाई

बलरामपुर। झारखंड में हुए भीषण सड़क हादसे ने पूरे बलरामपुर में शोक की लहर है। मंगलवार को हादसे में मृत 10 लोगों को नम आंखों से अंतिम विदाई दी गई। भीषण सड़क हादसे ने पूरे अंचल को गहरे शोक में डुबो दिया है। झारखंड में घटित इस दर्दनाक दुर्घटना में जान गंवाने वाले 10 लोगों में से 5 लोगों की चिता बलरामपुर जनपद पंचायत क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत जमुआटांड में एक साथ जली, तो सभी की आंखें नम हो गई। एक ग्रामीण के शव को परम्परागत तरीके से दफन किया गया। वहीं पास ही स्थित चनान नदी, बलरामपुर स्थित मुक्तिधाम, महराजगंज और टांगरमहरी में मृतकों का अंतिम संस्कार किया गया। शोकाकुल माहौल के बीच ग्रामीणों, परिजनों और रिश्तेदारों ने नम आंखों से अपने प्रियजनों को अंतिम विदाई दी।

हृदयविदारक हादसे में बस में सवार 70 से अधिक लोग घायल हो गए थे, जिनमें से 10 लोगों की मौत हो गई। अन्य घायल यात्रियों का इलाज झारखंड के रांची, गुमला व छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर और बलरामपुर के विभिन्न अस्पतालों में जारी है। मंगलवार को दिवंगत प्रेमा देवी पति स्व. चरह चेरवा, सीतापती देवी पति बिगा राम, रेसन्ती चेरवा पति बिनोद राम, सुखना भुइयां, विजय नगेसिया पिता कुंता नगेसिया, सोना मती पति बाबूलाल, लीलावती सोनवानी, रमेश पनिका पिता करीमन पनिका, नाचू राम पिता दशरथ, परशुराम सोनवानी पिता टुना राम का गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार हुआ। अधिकांश मृतक ग्राम पिपरसोत के निवासी थे, जबकि कुछ अन्य आसपास के गांवों से थे। मंगलवार को सुबह जिला अस्पताल बलरामपुर में शव लेने के लिए मृतकों के स्वजन पहुंच गए थे। अंतिम संस्कार के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों तक शोक का माहौल रहा। घटना से हर किसी की आंखें नम थी। गांव में शव लेकर संबंधी जैसे ही पहुंचे, गांव के लोग मृतकों को अंतिम विदाई देने उमड़ पड़े। शव पहुंचने के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल था। गांव के लोग इन्हें ढाढस बंधाने में लगे थे। ग्रामीण शिवम सिंह ने कहा कि दु:खद घटना से पूरा गांव सहमा हुआ है। इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए भी भूलना आसान नहीं है।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाते तक गर्भवती महिला व शिशु की हुई मौत

स्वास्थ्य मंत्री के गृह जिला से अस्पतालों का चक्कर काटते पहुंचे थे अंबिकापुर

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के गृह जिला की गर्भवती महिला व गर्भ में पल रहे बच्चे की अस्पतालों का चक्कर काटते दम तोड़ दी। सामान्य प्रसव का इंतजार करने के बाद महिला को पोड़ी स्वास्थ्य केन्द्र से दूसरे अस्पताल का रास्ता दिखा दिया गया। स्वजन महिला को चिरमिरी अस्पताल लेकर पहुंचे, यहां से भी प्रसव कराने के बजाय देर रात इन्हें अन्यत्र ले जाने कहा गया। मृतिका के पति ने इलाज में लापरवाही का संदेह व्यक्त किया है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम किया है।

जानकारी के मुताबिक एमसीबी जिला के पोड़ी थाना अंतर्गत ग्राम साजापहाड़ चिरमिरी निवासी गीता सिंह 30 वर्ष और धर्मेंद्र सिंह के दाम्पत्य जीवन के बीच सामान्य प्रसव से दो स्वस्थ बच्चे हैं। गीता गर्भवती थी, नौ माह पूरा हो गया था। 19 जनवरी को पेट में दर्द होने पर पति उसे दोपहर करीब 12.30 बजे शासकीय स्वास्थ्य केन्द्र पोड़ी लेकर पहुंचा, तब तक उसकी स्थिति ठीक थी। चिकित्सक ने महिला को भर्ती कर लिया था और सामान्य प्रसव कराने के लिए आश्वस्त किया। काफी देर बाद भी जब सामान्य प्रसव की स्थिति नहीं बनी तो चिकित्सक ने शाम के समय उसे जिला अस्पताल बड़ा बाजार चिरमिरी रेफर कर दिया। यहां आने तक महिला की स्थिति ठीक थी। आरोप है कि जिला अस्पताल में प्रसूता को डिलीवरी वार्ड में भर्ती किया गया था, यहां पुरुषों का प्रवेश वर्जित था। पति का कहना है कि कुछ समय बाद उसकी पत्नी की तबीयत बिगड़ गई, उसे ऑक्सीजन पर रखा गया था। हाथ-पैर ठंडे पड़ने लगे। इसके बाद देर रात करीब एक बजे उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर के लिए रेफर कर दिया गया। तड़के करीब 3 बजे मेडिकल कॉलेज अस्पताल महिला को लेकर पहुंचे, यहां आपातकालीन चिकित्सा परिसर में चिकित्सक ने जांच के बाद गीता सिंह और गर्भ में पल रहे बच्चे को मृत घोषित कर दिया। परिजनों का कहना है कि जब वे महिला को पोड़ी अस्पताल लेकर पहुंचे थे, तब उसकी हालत सामान्य थी। डिलीवरी वार्ड के अंदर ऐसा क्या हुआ, जिससे उसकी मौत हो गई, इसे लेकर वे सवाल खड़े कर रहे हैं। इनका कहना है कि चिकित्सक चाहते तो समय रहते ऑपरेशन करके जच्चा-बच्चा को सुरक्षित कर सकते थे। पुलिस ने मृतिका के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

ठग के झांसे में आकर युवक 1.65 लाख गंवाया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। फेसबुक में पार्ट टाइम जॉब सर्च करने के बाद ठग के झांसे में आया युवक 01 लाख 65 हजार 645 रुपये की ठगी का शिकार हो गया।

सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम सोनतराई निवासी विजय कुजूर पिता स्व. पिछरा राम कुजूर 34 वर्ष ने पुलिस को दिए गए लिखित शिकायत पत्र में बताया है कि फेसबुक में वह पार्ट टाइम जॉब देखकर 2 जनवरी को सर्च किया तो छोटा इन्वेस्टमेंट करके अच्छा पैसा मिलने का झांसा देकर कहा गया कि पैसा तुरंत वापस हो जाएगा। इसके बाद 2 से 6 जनवरी के बीच विभिन्न बैंक खातों में एक लाख 64 हजार 645 रुपये डलवा लिया। ठगी का एहसास होने पर डॉयल 1930 में कॉल करके वह इसकी रिपोर्ट दर्ज कराया था। ऐसे प्रलोभन में कोई और न आए, इसे देखते हुए युवक ने सीतापुर थाने में घटना की जानकारी दी है, जिस पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरूद्ध धारा 318 (4) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध करके विवेचना में लिया है।

क्रिकेट मैच में सट्टा लगवाने वाला मास्टरमाइंड दीप सिन्हा महाराष्ट्र से गिरफ्तार

आरोपी सट्टे का पैनल चलाकर 300 फर्जी खाता खुलवाकर करोड़ों का किया था ट्रांजेक्शन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। अवैध सट्टा के मामले में सरगुजा पुलिस ने फरार मास्टरमाइंड सटोरिये दीप सिन्हा को पुणे महाराष्ट्र से गिरफ्तार कर लिया है। कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा के निर्देशन एवं नगर पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में गठित टीम के द्वारा की गई। आरोपी द्वारा क्रिकेट मैच में लाखों-करोड़ों का सट्टा लगाकर सुनियोजित तौर पर अवैध धन अर्जित करने में लगा था। आरोपी सट्टे का पैनल चलाकर कमीशन की रकम देकर अपने अन्य साथियों के माध्यम से धोखाधड़ी कर कई लोगों का खाता, एटीएम, चेक बुक, मोबाइल नंबर लेकर अवैध सट्टे के धंधे में उपयोग करता था। इसके द्वारा लगभग 300 फर्जी खाता धारकों का खाता खुलवाकर इन खातों में करोड़ों का ट्रांजेक्शन किया गया था।

बता दें कि 13.05.24 को थाना कोतवाली की पुलिस पेट्रोलिंग टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि तीन सटोरी आयुष सिन्हा उर्फ दीप सिन्हा, अमित मिश्रा उर्फ पहलू, शुभम केशरी अपने संपर्क एवं जान-पहचान के लोगों को स्काई एक्सचेज लिंक भेजकर आईपीएल मैच गुजरात टाइटन्स व कोलकाता किंग राइडर्स के बीच चल रहे टी-20 मैच में ऑनलाइन सट्टा खेलने व खेलवाने का काम कर रहे हैं। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सत्तीपारा शिव मंदिर के पास रहने वाले तीनों आरोपियों को पकड़ा। आरोपी अमित मिश्रा ऊर्फ पहलू से जप्त एप्पल मोबाइल फोन आईफोन-15 से वाट्सअप ऐप में किए गए चैट, फोन पे ऐप में लेन-देन संबंधी सट्टा खेलने व खेलवाने का साक्ष्य प्राप्त हुआ। आयुष सिन्हा उर्फ दीप सिन्हा से सट्टा खेलने व खेलवाने वाले लोगों द्वारा दिया गया एटीएम कार्ड, शुभम केशरी से हार-जीत का लेखा-जोखा, पासबुक, चेक बुक तथा मोबाइल में सट्टा खेलने वाले लोगों का फोन पे एप्लीकेशन डाउनलोड कर पैसे का लेन-देन जैसा साक्ष्य पाए जाने पर तीनों आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त 19 नग मोबाइल, 03 पासबुक, 02 चेकबुक, 21 नग एटीएम कार्ड एवं 20100 रुपये नकद व अन्य दस्तावेज बरामद किया गया। मामले में थाना कोतवाली में छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम की धारा 7, 8 का अपराध पंजीबद्ध कर आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया था। प्रकरण में आरोपियों द्वारा अन्य लोगों का आधार कार्ड लेकर फर्जी तरीके से बैंक एकाउंट खोलवाकर उसका उपयोग सट्टा खेलने व खेलवाने के रकम लेन-देन हेतु उपयोग करना पाए जाने पर मामले में धारा 467, 468, 471, 120 (बी), भा.द.वि. एवं 66(सी) 66(डी) आई.टी. एक्ट की धारा जोड़ी गई।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार अग्रवाल ने नगर पुलिस अधीक्षक अंबिकापुर के नेतृत्व में साइबर सेल पुलिस टीम एवं थाना कोतवाली पुलिस टीम की एक संयुक्त टीम का गठन कर मुख्य मास्टरमाइंड आरोपी आयुष सिन्हा उर्फ दीप सिन्हा को पकड़कर कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया था। इसी क्रम में नगर पुलिस अधीक्षक अंबिकापुर राहुल बंसल के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम के सतत प्रयास से आरोपी आयुष सिन्हा उर्फ दीप सिन्हा पिता स्व. त्रिभुवन प्रसाद सिन्हा 32 वर्ष निवासी नेहरू वार्ड शिव मंदिर के पास को गिरफ्तार करके न्यायालय में पेश किया गया। संपूर्ण कार्रवाई में नगर पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक शशिकान्त सिन्हा, साइबर सेल प्रभारी सहायक उप निरीक्षक अजीत मिश्रा, प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान, प्रधान आरक्षक विकास सिन्हा, आरक्षक मनीष सिंह सक्रिय रहे।

पूर्व में इनकी हुई थी गिरफ्तारी

मामले में पूर्व में आरोपी ऋतिक मंदिलवार उर्फ बमफोड़, नितिन यादव, अमित कुमार मिश्रा उर्फ पहलू, ध्रुविल पटेल, मुकेश त्रिपाठी, सत्यम केशरी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया था एवं अग्रिम विवेचना की जा रही थी। फरार आरोपी को उपस्थिति हेतु उद्घोषणा जारी की गई थी, इसके पश्चात भी वह लगातार फरार चल रहा था।

न्यूनतम तापमान का पारा 50 वें दिन 10 डिग्री के लिमिट को क्रास किया

मंगलवार को अंबिकापुर का तापमान 11.1 डिग्री सेल्सियस रहा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मंगलवार को अंबिकापुर का न्यूनतम तापमान 11.1 डिग्री सेल्सियस रहा। एक दिसम्बर 2025 को 10.4 डिग्री के बाद न्यूनतम का पारा 10 डिग्री के नीचे लुढ़का तो पूरे 49 दिन लुढ़का ही रहा, 50 वें दिन यह 10 डिग्री के लिमिट को क्रास कर पाया। बता दें कि वर्ष 2025-26 में अंबिकापुर में न्यूनतम तापमान के लगातार 10 डिग्री के नीचे रहने का 49 दिन का नया रिकॉर्ड बन चुका है। इसके पूर्व सन 1975-76 में 1 दिसम्बर 1975 से 16 जनवरी 1976 तक अंबिकापुर का न्यूनतम लगातार 47 दिनों तक और 1970-71 में 1 दिसम्बर 70 से 16 जनवरी 1971 तक 46 दिनों तक 10 डिग्री के नीचे रहा। 2025-26 में 2 दिसम्बर 2025 से 19 जनवरी 2026 की अवधि में लगातार 49 दिनों तक अंबिकापुर के न्यूनतम तापमान के लगातार 10 डिग्री के नीचे रहने का नया रिकॉर्ड बना है। सोमवार, 19 जनवरी को अंबिकापुर का अधिकतम तापमान 28.7 डिग्री था, जो पिछले 57 वर्षों के दौरान प्रति वर्ष के 19 जनवरी के दिन के रिकॉर्ड अनुसार उच्चतम स्तर पर था। मौसम विज्ञानी एएम भट्ट का कहना है कि उत्तर छत्तीसगढ़ में दिसम्बर और जनवरी का महीना तीव्र शीत ऋतु के महीनों के रूप में जाना जाता है। इस अवधि में न्यूनतम तापमान कई दिनों तक 10 डिग्री के नीचे आता ही है। अमूमन एक दो अल्पावधि में तो यह 5 डिग्री के नीचे तक आ जाता है, जिससे कई जगहों में जलबून्दों के जमने या पाला गिरने की घटनाएं देखने को मिलती हैं। अंबिकापुर की तुलना में आसपास के पठारी और पहाड़ी क्षेत्रों का न्यूनतम तापमान 2 से 3 डिग्री कम रहता है। 13 जनवरी 1989 को अंबिकापुर का रिकार्ड न्यूनतम 0.9 डिग्री जब दर्ज किया गया था, तब पठारी क्षेत्रों का न्यूनतम निश्चित ही शून्य के नीचे चला गया होगा। इस वर्ष भी 2025-26 में अभी तक अंबिकापुर का न्यूनतम तापमान 07 जनवरी 2026 को 3.3 डिग्री दर्ज हुआ था, तब यहां के पठारी क्षेत्रों में बर्फ की मोटी परतें जमी पाई गई थी। यह इशारा करती है कि इन क्षेत्रों का न्यूनतम तापमान इस वर्ष भी शून्य डिग्री के इर्द-गिर्द पहुंचा होगा। अमूमन क्षेत्रीय न्यूनतम तापमान का लगातार कुछ दिनों तक 10 डिग्री के नीचे बना रहना वहां कड़ाके की ठंड को दर्शाता है। यदि यह घटना लम्बी अवधि तक बनी रहे तो ठंड का प्रतिकूल प्रभाव जन-जीवन पर दिखता है। स्वास्थ्य और दिनचर्या अस्त-व्यस्त रहती है। इस वर्ष की शीत ऋतु में ठंड का तेवर कुछ इसी तरह का रहा है।

निगम के स्वामित्व की आठ और दुकानें हुई सील

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नगर निगम आयुक्त के निर्देशानुसार निगम के स्वामित्व की ऐसी दुकानों को सील करने की कार्रवाई दूसरे दिन भी जारी रही, जिसका किराया भुगतान नहीं किया जा रहा है। इसी क्रम में बाबूपारा में अटल आवास स्थित दुकान क्रमांक 6 एवं 9 बिलासपुर चौक स्थित दुकान क्रमांक 7, 8 तथा मठपारा स्थित दुकान क्रमांक 2, 3, 5, 6 का किराया भुगतान लम्बे समय से नहीं करने के कारण मौके पर यथास्थिति में सील किया गया। इस कार्रवाई में निलेश केरकेट्टा राजस्व अधिकारी, विजय कुजूर, शशांक दुबे दोनों सहायक राजस्व अधिकारी एवं शिवेंद्र बहादुर सिंह सहायक राजस्व निरीक्षक शामिल थे।

सभी पंजीकृत किसानों से की जाएगी धान खरीदी : कलेक्टर

★ टोकन जारी कराने के लिए समिति के माध्यम से करें आवेदन ★ अवैध धान में संलिप्त व्यक्तियों पर होगी वैधानिक कार्यवाही ★ सरगुजा ओलंपिक में अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के दिए निर्देश ★ वय वंदन कार्ड में प्रगति लाने डोर-टू-डोर के माध्यम से करें विशेष प्रयास

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा की अध्यक्षता में संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक आयोजित हुई। बैठक में कलेक्टर श्री कटारा ने सरगुजा ओलंपिक, गणतंत्र दिवस, धान खरीदी, स्वास्थ्य, आयुष्मान कार्ड सहित विभिन्न योजनाओं, राजस्व प्रकरणों की समीक्षा कर प्रगति लाने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा ने सरगुजा ओलंपिक के सफल आयोजन के लिए अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में महिलाओं, युवाओं, महाविद्यालयीन एवं स्कूली विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। समाज के सभी वर्गों को जोड़ते हुए कार्यक्रम को सफल बनाएं। कलेक्टर श्री कटारा ने कहा कि शासन एवं प्रशासन के संयुक्त प्रयासों से खेल प्रतिभाओं को बेहतर मंच उपलब्ध कराया जा रहा है। सरगुजा ओलंपिक के माध्यम से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की छिपी हुई प्रतिभाओं को आगे आने का अवसर मिलेगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को अधिक से अधिक पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि व्यापक प्रचार-प्रसार कर लोगों को खेलों के प्रति प्रेरित करें, ताकि अधिक-अधिक संख्या में प्रतिभागी इस आयोजन से जुड़ सकें।

कलेक्टर ने 26 जनवरी गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों के संबंध में चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं

कर्मचारियों को अपने-अपने दायित्वों का कर्तव्यनिष्ठा एवं समन्वय से निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आयोजन की सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध एवं सुव्यवस्थित रूप से पूर्ण कर लें, ताकि गणतंत्र दिवस समारोह गरिमामय एवं सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

कलेक्टर श्री कटारा ने धान खरीदी एवं उठाव के संबंध में संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जिन पंजीकृत किसानों द्वारा टोकन जारी नहीं कराया गया है वे समिति के माध्यम से टोकन हेतु आवेदन करा लें। भौतिक सत्यापन अनुसार टोकन जारी कर खरीदी की जाएगी। इस संबंध में कलेक्टर श्री कटारा ने संबंधित अधिकारियों को मुनादी के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। ताकि सभी पंजीकृत किसानों से निर्धारित सीमा के भीतर धान खरीदी सुनिश्चित हो सके और कोई भी पात्र किसान वंचित न रहे। साथ ही उन्होंने अवैध धान भण्डारण एवं परिवहन पर सतत निगरानी रखने के साथ संलिप्तता पाए जाने वाले व्यक्तियों पर वैधानिक कार्यवाही करने के निर्देश भी दिये।

कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा कर आयुष्मान कार्ड एवं वय वंदन कार्ड की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि वय वंदन कार्ड निर्माण में गति लाने के लिए डोर-टू-डोर भ्रमण कर पात्र हितग्राहियों का पंजीयन सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने आयुष्मान कार्ड निर्माण की धीमी प्रगति वाले क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री कटारा ने एएनसी पंजीयन की विकासखंडवार प्रगति की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को पंजीयन बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने संस्थागत प्रसव की स्थिति की समीक्षा कर सुरक्षित मातृत्व को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

कलेक्टर श्री कटारा ने जनशिकायत, पीजी पोर्टल एवं समय-सीमा के लंबित प्रकरणों की भी जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निराकरण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री कटारा ने प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और अनुशासन लाने के लिए ई-ऑफिस के पूर्ण क्रियान्वयन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी और कर्मचारी आधार बायोमेट्रिक उपस्थिति सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि शासन की मंशानुरूप अधिकारी-कर्मचारी फील्ड विजिट पर निकलने से पहले अनिवार्य रूप से कार्यालय आकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं, उसके बाद ही क्षेत्र भ्रमण पर जाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे विभागीय लक्ष्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करना सुनिश्चित करें। इसके लिए उन्होंने जनपद स्तर पर बैठक आयोजित कर जमीनी स्तर पर कार्यों की प्रगति की निरंतर समीक्षा करने की बात कही।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, अपर कलेक्टर श्री चेतन बोरघरिया, अभिषेक गुप्ता, सर्व अनुविभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

ओमनी वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवक घायल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 पर संजयनगर महावीरपुर में बीती रात मारुति ओमनी के चालक ने बाइक सवार को विपरीत दिशा से टक्कर मार दिया है। दुर्घटना में बाइक सवार युवकों को गंभीर चोट आई है। गौरतलब है कि जयनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच 43 पर ग्राम पंचायत संजयनगर महावीरपुर में स्थित देव स्वीट्स के समीप सोमवार की रात करीब 8 बजे मारुति ओमनी वाहन क्रमांक सीजी 10 एफ 8014 के चालक ने तेज व लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए विपरीत दिशा से आ रहे बाइक क्रमांक सीजी 15 डीजी 9122 को जबरदस्त टक्कर मार दिया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उक्त दुर्घटना में बाइक सवार दो युवकों को गंभीर चोट आई है, जिन्हें उपचार हेतु अंबिकापुर अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। ज्ञात हो कि उक्त घटना स्थल दुर्घटना का ब्लैक स्पॉट बन गया है, जिससे आए दिन उक्त स्थल के आसपास सड़क दुर्घटनाएं घटित होती रहती हैं।

केशवनगर फीकल स्लज प्रबंधन इकाई का संचालन प्रारंभ

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशानुसार एवं जिपं सीईओ के मार्गदर्शन में

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत ग्राम पंचायत केशवनगर में निर्मित फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट का नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों के समन्वय से सुचारू संचालन प्रारंभ कर दिया गया है। इस पहल के तहत नगर पंचायत विश्रामपुर के डी-स्लज वाहन के माध्यम से ग्राम पंचायत क्षेत्र के सेप्टिक टैंकों की डी स्लजिंग की जा रही है। एकत्रित मलिय कीचड़ को केशवनगर स्थित एफएसटीपी प्लांट में वैज्ञानिक एवं सुरक्षित उपचार प्रक्रिया से गुजारकर उसका पर्यावरण अनुकूल निपटान किया जा रहा है इस व्यवस्था से पर्यावरण संरक्षण को मजबूती मिलेगी, मिट्टी की गुणवत्ता बनी रहेगी, भू-जल प्रदूषण से बचाव होगा तथा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता स्तर में उल्लेखनीय सुधार होगा। साथ ही यह पहल स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के लक्ष्यों की प्राप्ति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। संयंत्र के क्रियाशील होने से जिले में मलिय कीचड़ प्रबंधन को एक नई दिशा मिली है। इस उद्देश्य से ग्राम पंचायत क्षेत्रों में नियमित रूप से जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। साथ ही निकटवर्ती नगरीय निकायों के डी-स्लज वाहन चालकों के मोबाइल नंबर पंचायतों के सार्वजनिक स्थलों पर प्रदर्शित कराए जा रहे हैं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर नागरिक आसानी से संपर्क कर सकें। इस कार्य में नगर पंचायत विश्रामपुर के सीएमओ एवं नगर पालिका सूरजपुर का सहयोग प्राप्त हो रहा है। वर्तमान में जिले की सभी 6 नगरीय निकायों से उपलब्ध डी-स्लज वाहनों हेतु अनुबंध किया जा चुका है, जिससे जिले में फीकल स्लज प्रबंधन व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सकेगा।

प्रदेश संयुक्त शिक्षक संघ की जिला महिला कार्यकारिणी गठित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश संयुक्त शिक्षक संघ जिला सूरजपुर के जिलाध्यक्ष सचिन त्रिपाठी के निर्देशानुसार जिला महिला कार्यकारिणी का गठन किया गया। संगठन द्वारा महिला शिक्षकों की सहभागिता को मजबूत करने एवं संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने के उद्देश्य से यह कार्यकारिणी गठित की गई है। नवगठित जिला महिला कार्यकारिणी में श्रीमती ममता मण्डल को जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं जिला उपाध्यक्ष के रूप में इंदुमती सोनवानी एवं जीवन्ती एक्का को दायित्व सौंपा गया है। जिला प्रवक्ता पद पर नसरीन बानो एवं सोमा घोष को नियुक्त किया गया है। जिला महामंत्री की सुनीता श्याम, सुनीता उपाध्याय एवं ललमेन टोप्पो को जिम्मेदारी दी गई है। जिला महासचिव मनिंदर जायसवाल, अंजली सिंह, जिला सचिव आरती लाल, सहसचिव जया सिंह, विसमा एक्का, संगठन मंत्री प्रभावती पैकरा, रामकुमारी सिदार, कल्पना बारी, प्रचार सचिव मंजुलाल श्रीवास्तव, चन्द्रकला कुशवाहा, संयुक्त सचिव मानमती देवांगन, उर्सुला एक्का, सिलसिया टोप्पो, ललिता राजवाड़े एवं ग्लोरिया कुजूर को नियुक्त किया गया है।

सरगुजा संभागायुक्त का बलरामपुर प्रवास आज

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। सरगुजा संभाग आयुक्त श्री नरेन्द्र कुमार दुग्गा 21 जनवरी 2026 को जिले के प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वे दोपहर 03 बजे संयुक्त जिला कार्यालय भवन के सभाकक्ष में सांसद/विधायक एवं मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण के संबंध में आवश्यक चर्चा एवं गहन पुनरीक्षण के दौरान विधानसभा वार प्राप्त शिकायतों की संख्या तथा निराकरणों की समीक्षा करेंगे। साथ ही विधानसभा-07 रामानुजगंज के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण भी करेंगे।

आमगांव खदान से लौट रही बस को युवकों ने रोककर की गाली-गलौज

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र के आमगांव खदान से जनरल शिफ्ट के कामगारों को लेकर लौट रही एसईसीएल की अनुबंधित बस को रोककर कुछ युवकों द्वारा चालक व कामगारों के साथ गाली-गलौज एवं धमकी देने का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होने के बाद क्षेत्रीय प्रबंधन ने संज्ञान लेते हुए सुरक्षा अमले को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

जानकारी के अनुसार यह घटना सोमवार 19 जनवरी के दोपहर करीब 3.30 बजे की है। आमगांव खदान से जनरल शिफ्ट के मजदूरों को लेकर बस बिश्रामपुर की ओर लौट रही थी। इसी दौरान कुछ युवकों ने बस को रुकवाने का प्रयास किया। चालक द्वारा बस नहीं रोके जाने पर युवक बाइक से पीछा करते हुए मानी चौक स्थित पेट्रोल पंप के पास बस के सामने बाइक अड़ाकर उसे जबरन रोक लिया। इसके बाद युवकों ने बस चालक से गाली-गलौज करते हुए उसे धमकाना शुरू कर दिया। जब बस में सवार कामगारों ने इसका विरोध किया तो युवकों ने उनके साथ भी दुर्व्यवहार करते हुए गाली-गलौज की, जिससे मौके पर हंगामे की स्थिति निर्मित हो गई। घटना के दौरान किसी व्यक्ति द्वारा वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा कर दिया गया, जो अब वायरल हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद एसईसीएल प्रबंधन ने तत्काल क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी को मामले की रिपोर्ट दर्ज कराने के निर्देश दिए। इसके पश्चात संबंधित वीडियो फुटेज एवं रिपोर्ट पुलिस को उपलब्ध कराई गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। ज्ञात हो कि एसईसीएल की अनुबंधित बसें खदानों से कामगारों को लाने-ले जाने के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को विद्यालय पहुंचाने का कार्य भी करती हैं। साथ ही आवश्यकता पड़ने पर संबंधित रूट के ग्रामीणों को भी निःशुल्क यात्रा की सुविधा दी जाती है, जिससे ग्रामीण इलाकों में आवागमन की समस्या काफी हद तक कम होती है। बावजूद इसके कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा बस न रोकने की स्थिति में चालकों व कामगारों के साथ धमकी व दुर्व्यवहार किया जाना गंभीर चिंता का विषय बनता जा रहा है। ऐसी घटनाओं से कभी भी अप्रिय स्थिति उत्पन्न होने की आशंका बनी रहती है, जिससे बस चालक और कामगारों में भय का माहौल है।

कर्मियों ने प्रशासन से ऐसे बदमाश किस्म के युवकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

डीएवी राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता राष्ट्रीय स्तर में डीएवी विश्रामपुर का बेहतर प्रदर्शन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। हरिद्वार, रांची एवं रायपुर में 6 से 8 जनवरी तथा नोएडा दिल्ली में 10 से 12 जनवरी तक डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स मीट आयोजित की गई। जिसमे डीएवी पब्लिक स्कूल विश्रामपुर की प्राचार्य अनामिका भारती के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ क्रीड़ा शिक्षक पीके वैद्य, खेल शिक्षिका चित्रावती मिश्रा, शिक्षक रामजी सिन्हा, नासिर खान, अमूल्य भोई, शिक्षिका श्रीमती नमिता गार्गी व रिचा स्वांसी के नेतृत्व में विद्यालय के 22 छात्राएं एवं 44 छात्रों ने फुटबॉल, जूडो, ताईक्कांडो, स्केटिंग, क्रिकेट, बैडमिंटन एवं एथलेटिक्स की स्पर्धाओं में अपनी बेहतरीन खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए 15 पदक प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया है। बिरसा मुंडा स्टेडियम रांची में 6 से 8 जनवरी तक आयोजित डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स मीट में 19 वर्ष आयु बालक वर्ग फुटबॉल में विद्यालय की फुटबॉल टीम ने कांस्य पदक प्राप्त किया।

विद्यालय की फुटबॉल टीम में प्रतिभागी जयसूर्या प्रसाद, अतुल त्रिपाठी, हर्षित कुमार, शुभम मुदलियार, राघवेन्द्र सिंह, केतन स्वाई एवं साहिल राजवाड़े सम्मिलित रहे। उक्त तिथि में बलबीर सिंह जनता स्टेडियम रायपुर में आयोजित डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स मीट ताईक्कांडो, 19 वर्ष आयु बालक वर्ग में रौनक केसी ने रजत पदक अर्जित किया। हरिद्वार में आयोजित डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स मीट, 14 वर्ष आयु अंतर्गत बालक वर्ग जूडो में आयुष मित्तल ने रजत पदक हासिल किया। नोएडा दिल्ली में 10 से 12 जनवरी तक आयोजित डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स मीट में 17 वर्ष आयु अंतर्गत बालिका वर्ग ताईक्कांडो में न्यासा जायसवाल व अदिति खाखा ने रजत पदक एवं पुष्पांजलि व विजयलक्ष्मी ने कांस्य पदक तथा 17 वर्ष आयु अंतर्गत बालिका वर्ग जूडो में सोनम कुजूर ने रजत पदक एवं 14 वर्ष आयु के अंतर्गत बालिका वर्ग जूडो में आराध्या यादव ने कांस्य पदक अर्जित किया। प्राचार्य अनामिका भारती ने सभी प्रतिभागियों की शानदार क्रीड़ा उपलब्धियों के लिए उन्हें अपनी बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना कर कहा कि खेल मनुष्य को अनुशासित बनाकर जीवन पथ पर मजबूत बनाता है। किसी भी प्रतियोगिता में उत्साह पूर्वक भाग लेना सबसे बड़ी बात होती है।

खेल में हार-जीत को समान भाव से स्वीकार करना चाहिए और खेल भावना का परिचय देना चाहिए।

गायत्री मंदिर के दान पेटी से नगदी चुराने वाला आरोपी धराया

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। मंदिर के दान पेटी से नगदी पार करने वाले आरोपी

को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बताया गया है कि 22 दिसंबर 2025 को केतका रोड़ के अवधेश गोयल ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि सुबह करीब 6 बजे यहां गायत्री मंदिर के पुजारी फोन कर बताए कि 21 दिसंबर को रात्रि में मंदिर के पीछे का दरवाजा का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश कर दान पेटी का ताला तोड़ करीब 5 हजार रूपये को कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है। रिपोर्ट पर धारा 305(ए), 331(4) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। कोतवाली पुलिस ने विवेचना के दौरान मुखबीर की सूचना पर संदेही रोहित अगरिया पिता राजू अगरिया जेलपारा को पकड़ा। पूछताछ पर उसने पैसे की जरूरत पर मंदिर व दान पेटी का ताला तोड़कर रकम चोरी करना बताया जिसके निशानदेही पर चोरी के रकम में से 400 रूपये नगदी जप्त किया गया है शेष रकम खाने-पीने में खर्च कर दिया। मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। इस कार्यवाही में निरीक्षक राजेन्द्र साहू, एसआई अश्वनी पाण्डेय, प्रधान आरक्षक शिवकुमार, आरक्षक संतूराम यादव व सोनू सिंह साडिल्य सक्रिय रहे।

कोतवाली पुलिस की कार्रवाई

जनदर्शन में आमजनों की सुनी गई समस्याए

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। संयुक्त जिला कार्यालय भवन के सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक पश्चात् जनदर्शन का आयोजन किया गया।

आमजनों ने जनदर्शन में अपनी समस्याओं को कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के समक्ष रखा। जनदर्शन में आमजनों से प्राप्त शिकायत एवं समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुन कर कलेक्टर ने सभी आवेदनों को प्राथमिकता के साथ शीघ्र निराकरण करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

नगरपालिका-पंचायत चुनाव की तैयारी तेज, निर्वाचन आयोग ने अधिकारियों को दिए निर्देश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । छत्तीसगढ़ में नगरपालिका और त्रिस्तरीय पंचायतों के आम एवं उप निर्वाचन 2026 की तैयारियां तेज हो गई हैं। राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह (भा.प्र.से. से.नि.) की अध्यक्षता में नवा रायपुर स्थित राज्य निर्वाचन आयोग कार्यालय में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें निर्वाचन से जुड़ी सभी तैयारियों और समयबद्ध कार्यवाही पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में राज्य निर्वाचन आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि स्थानीय निकायों के आम और उप निर्वाचन से संबंधित सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण किए जाएं, ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया को सुचारु रूप से संपन्न कराया जा सके।

उच्चस्तरीय बैठक में कई विभागों के अधिकारी शामिल

बैठक में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के सचिव बसवराजू एस., संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास रिमिजियुस एक्का, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की संचालक श्रीमती प्रियंका ऋषि महोबिया, राज्य निर्वाचन आयोग की सचिव श्रीमती शिखा राजपूत तिवारी सहित आयोग एवं संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

नगरपालिकाओं में कई पद खाली, उपचुनाव जरूरी

बैठक में जानकारी दी गई कि वर्तमान में नगरीय निकाय उप निर्वाचन के अंतर्गत नगरपालिका अध्यक्ष के 02 पद और पार्षदों के 15 पद रिक्त हैं। इसके अलावा राज्य में नवगठित चार नगर पंचायतों –घुमका (राजनांदगांव), बम्हनीडीह (जांजगीर-चांपा), शिवनंदनपुर (सूरजपुर) और पलारी (बालोद) में अध्यक्ष के 04 पद और पार्षदों के कुल 60 पद रिक्त हैं, जिन पर निर्वाचन कराना आवश्यक है।

थाना परिसर में गूंजे विवाह मंत्र, पुलिस बनी साक्षी, नवदंपतियों को दिया आशीर्वाद

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर । जशपुर जिले से एक अनोखी और भावुक करने वाली घटना सामने आई है। पत्थलगांव थाना परिसर में सोमवार रात करीब 8 बजे उस समय विशेष माहौल बन गया, जब चार प्रेमियों ने थाना परिसर स्थित शिव मंदिर में भगवान को साक्षी मानकर सात फेरे लेकर विवाह कर लिया।

जाति की दीवारें तोड़कर लिया जीवनभर साथ निभाने का संकल्प

मिली जानकारी के अनुसार, दोनों प्रेमी जोड़े अलग-अलग जाति से ताल्लुक रखते थे, जिस कारण उन्हें परिजनों के विरोध और सामाजिक दबाव का सामना करना पड़ रहा था। बावजूद इसके, उन्होंने अपने प्रेम और विश्वास को प्राथमिकता देते हुए विवाह का निर्णय लिया और समाज की बाधाओं को पीछे छोड़ दिया।

एक जोड़े को झेलना पड़ा विरोध और झूमा-झटकी

शादी से पहले एक प्रेमी युगल को परिजनों के विरोध का सामना करना पड़ा, यहां तक कि उनके साथ झूमा-झटकी की भी स्थिति बनी। वहीं, दूसरे प्रेमी जोड़े ने बताया कि वे करीब एक वर्ष से प्रेम संबंध में थे। दोनों बालिग होने के कारण उन्होंने पत्थलगांव थाने में आवेदन देकर सुरक्षा और विवाह की अनुमति मांगी थी।

पुलिस बनी साक्षी, दिया आशीर्वाद

थाना परिसर स्थित शिव मंदिर में हुए इस विवाह के दौरान पुलिसकर्मी भी साक्षी बने। मौजूद पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया और उनके सुखद भविष्य की कामना की। थाना परिसर में मौजूद लोगों के लिए यह दृश्य भावनात्मक और प्रेरणादायक रहा।

महिला की शिकायत पर सब-इंस्पेक्टर गिरफ्तार, एसपी ने किया निलंबित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

कोरबा । कटघोरा थाना क्षेत्र में पदस्थ एक सब-इंस्पेक्टर पर महिला से छेड़छाड़ का गंभीर और सनसनीखेज आरोप सामने आया है। पीड़ित महिला की लिखित शिकायत के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी सब-इंस्पेक्टर के खिलाफ अपराध दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। वहीं, मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने सब-इंस्पेक्टर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जानकारी के अनुसार, कटघोरा थाने में पदस्थ सब-इंस्पेक्टर एसके कोसरिया पर महिला ने अशोभनीय व्यवहार और छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। महिला ने उच्च अधिकारियों को लिखित शिकायत सौंपते हुए बताया कि आरोपी अधिकारी ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए उसके साथ गलत व्यवहार किया। शिकायत सामने आते ही कटघोरा पुलिस ने बिना देरी किए मामले को गंभीरता से लिया और आरोपी सब-इंस्पेक्टर के खिलाफ छेड़छाड़ का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया। इसके बाद न्यायालय में पेश कर उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी ने मामले की गंभीरता और विभाग की छवि को ध्यान में रखते हुए आरोपी सब-इंस्पेक्टर एसके कोसरिया को निलंबित करने के आदेश जारी किए हैं। थाना प्रभारी कटघोरा धर्मनारायण तिवारी ने बताया कि महिला की शिकायत के आधार पर कानूनी कार्रवाई की गई है और मामले की जांच आगे जारी है।

DSP कल्पना वर्मा केस की जांच रिपोर्ट पहुंची गृह विभाग, 1400 पन्नों में बड़ा खुलासा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर - होटल कारोबारी दीपक टंडन और दंतेवाड़ा की DSP कल्पना वर्मा कंट्रोवर्सी की जांच रिपोर्ट गृह विभाग को भेजी गई है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ऊरढ ने कारोबारी से न सिर्फ बड़ी रकम और महंगे गिफ्ट लिए, बल्कि वॉट्सऐप चैट के जरिए विभाग की खुफिया जानकारियां भी साझा की है। जांच रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चैट में 3 कढर के नाम भी सामने आए हैं। इनसे जुड़ी जानकारियां भी लीक की गई हैं। ASP कीर्तन राठौर के नेतृत्व में टीम ने 30 दिन में जांच की। ये जांच रिपोर्ट करीब 1,400 पन्नों की है। रिपोर्ट को वरिष्ठ अधिकारियों ने छत्तीसगढ़ गृह विभाग को सौंप दी है। ASP कीर्तन राठौर की टीम ने रायपुर के होटल कारोबारी दीपक टंडन के आरोपों पर जांच की है। कारोबारी ने दंतेवाड़ा की DSP कल्पना वर्मा पर रिश्वत, ब्लैकमेलिंग और धोखाधड़ी जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। वहीं कारोबारी के आरोपों के बाद ऊरढ के परिजनों ने भी पुलिस से शिकायत दर्ज कराई है, जिसकी जांच की गई है। जांच रिपोर्ट में महिला ऊरढ कल्पना वर्मा और कारोबारी दीपक टंडन के बीच हुई वॉट्सऐप चैट का जिक्र है। इसमें पुलिस विभाग से जुड़ी गोपनीय सूचनाएं भेजे जाने के संकेत मिले हैं। इन चैट्स में नक्सल गतिविधियों, सुरक्षा बलों की तैनाती और ऑपरेशन से जुड़े इनपुट साझा किए जाने का दावा किया गया है। सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह की खुफिया जानकारी का लीक होना राज्य की आंतरिक सुरक्षा से सीधा खिलवाड़ है। यह गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। बताया जा रहा है कि इस पहलू को लेकर उच्च स्तर पर रिपोर्ट तलब की गई थी, जिसे गोपनीय रखा गया है। कारोबारी दीपक टंडन ने आरोप लगाया है कि साल 2021 से महिला डीएसपी ने कथित तौर पर लव ट्रैप के जरिए उनसे करीब 2.5 करोड़ रुपए की वसूली की। आरोपों में करीब 2 करोड़ रुपए कैश, एक लग्जरी कार, 12 लाख की डायमंड रिंग, 5 लाख रुपए के सोने के गहने और अन्य महंगे गिफ्ट्स शामिल बताए गए हैं। कारोबारी का दावा है कि शिकायत दर्ज कराने के बावजूद कार और गहने अभी तक उसे वापस नहीं मिले हैं। उसने ऊरढ कल्पना से उन्हें वापस करने के लिए बार-बार कहा, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। कल्पना की वजह से उसे करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ है।

होटल खोलने के बहाने कारोबारी से रुपए लेने का दावा

जांच में सामने आया है कि महिला डीएसपी ने अपने भाई के नाम पर होटल खोलने के बहाने कारोबारी से रुपए लिए। इस पहलू पर अलग से जांच की मांग की जा रही है।

अदानी ग्रुप द्वारा निः शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। यहां रामानुजनगर स्थित रेलवे सब स्टेशन में अदानी ग्रुप द्वारा निः शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य शिविर में चिकित्सकों द्वारा क्षेत्रवासियों तथा कंपनी के स्टाफ और उनके परिजनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। तथा आवश्यक दवाओं का वितरण किया गया। स्वास्थ्य जांच शिविर में डॉ व्ही पुंगले,जीएनजी अभिषेक शर्मा,व श्री अश्विनी सिन्हा, तथा लीस्ट एण्ड सिस्ट की ओर से जीएम प्रमोद मिश्रा, पीडब्लूआई बी के चट्टोपाध्याय, प्रोजेक्ट मैनेजर आर के बनर्जी, बंशीलाल शर्मा आदि उपस्थित थे। स्वास्थ्य शिविर में सभी कर्मचारियों व स्थानीयजनों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया व दवाओं का वितरण किया गया। कंपनी द्वारा यह स्वास्थ्य जांच शिविर हर महीने लगाया जाएगा। अगला जांच शिविर 10 फरवरी को लगेगा।

रामलला दर्शन योजना के अंतर्गत स्टेशन पर दिखा आस्था और उत्साह का अद्भुत संगम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर, राजनांदगांव रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में महापौर राजनांदगांव श्री मधुसूदन यादव जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि रामलला दर्शन योजना छत्तीसगढ़ सरकार की एक ऐतिहासिक और सतत योजना है, जो बिना किसी आर्थिक बोझ के आमजन को प्रभु श्रीरामलला के दर्शन का सौभाग्य प्रदान कर रही है। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष राजनांदगांव श्रीमती किरण वैष्णव जी ने योजना की सराहना करते हुए इसे सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक चेतना को सशक्त करने वाली पहल बताया। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं की सुरक्षित एवं सुखद यात्रा की कामना की। इस अवसर पर केंद्रीय सहकारी बैंक राजनांदगांव के उपाध्यक्ष श्री भरत वर्मा जी भी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि इस योजना की निरंतर सफलता यह दशार्ती है कि शासन की जनकल्याणकारी नीतियाँ आम जनता तक प्रभावी रूप से पहुँच रही हैं।

महासमुंद में पकड़ाया 4 करोड़ का गांजा, दो अंतर्राज्यीय तस्कर गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

महासमुंद । महासमुंद जिले में एन्टी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और कोमाखान पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में दो अंतर्राज्यीय तस्कर गिरफ्तार किए गए हैं। आरोपियों के कब्जे से 950 किलो गांजा बरामद किया गया है, जिसकी बाजार कीमत करीब 4 करोड़ 75 लाख रुपए बताई जा रही है। गांजा तस्करी में प्रयुक्त आयशर ट्रक भी जब्त किया गया है, जिसकी कीमत लगभग 15 लाख रुपए है। इसके साथ मोबाइल फोन और नकद रकम भी बरामद की गई है। कुल मिलाकर पुलिस ने लगभग 4 करोड़ 90 लाख रुपए की संपत्ति जब्त की है। पुलिस के अनुसार आरोपी महाराष्ट्र के रहने वाले हैं और लंबे समय से अंतर्राज्यीय तस्करी में शामिल थे। इस मामले में इंड टू इंड इन्वेस्टिगेशन के तहत फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंक खंगालने के लिए विशेष टीमें रवाना कर दी गई हैं। ताकि पूरे नेटवर्क को ध्वस्त किया जा सके। गौरतलब है कि बीते 15 दिनों में ही जिले में 1831 किलो से अधिक गांजा, जिसकी कीमत 9 करोड़ 15 लाख रुपए से ज्यादा है, जब्त किया जा चुका है।

स्टेडियम में निगला अजगर, मचा हड़कंप

संवाददाता

उन्नाव। विकास खण्ड बिछिया क्षेत्र के तौरा स्टेडियम में विशालकाय अजगर दिखने से हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने मामले की जानकारी पीआरवी पुलिस को दी। साथ ही सूचना पर पहुँची वन विभाग टीम ने अजगर को पकड़कर अपने साथ ले गयी। क्षेत्र के तौरा गांव में बने स्टेडियम के अंदर खेल रहे बच्चो को एक विशालकाय अजगर दिखाई दिया। जिसे देखकर बच्चो में हड़कंप मच गया। रविवार को संदीप, रोहित, आर्दश, रवि समेत करीब एक दर्जन बच्चे दोपहर में स्टेडियम पर खेल रहें थे इसी दरमियान बच्चो को एक करीब 8 फिट का बड़ा अजगर दिखाई दिया। उसने तुरंत नौगवा गांव में बसे एक बंगाली को सूचना दी सूचना मिलते ही बंगाली ने उसको पकड़ कर गांव की तरफ ले आया जहा अजगर देख लोगो में अफरा तफरी मच गई वही मौजूद लोगो ने डायल 112 पर इसकी जानकारी दी जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची 112 पुलिस ने वन विभाग को सूचना दी, वन विभाग की टीम पहुंच कर अजगर को अपनें कब्जे में लेकर चली गई

शिक्षक समायोजन पर विरोध प्रदर्शन

संवाददाता

शाहजहांपुर, संयुक्त शिक्षक संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने बीएसए कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने जमकर नारेबाजी की और हाल ही में हुए शिक्षक समायोजन आदेशों को तत्काल रद्द करने की मांग की। समिति ने जिलाधिकारी को एक विस्तृत शिकायत भेजी है, जिसमें इन आदेशों को अवैध, मनमाना और न्यायालयी निदेर्शों के विपरीत बताया गया है। उनका आरोप है कि यह पूरी प्रक्रिया उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा अध्यापक सेवा नियमावली, 1981 के नियम-21, प्रचलित शासनादेशों तथा उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय के स्पष्ट आदेशों के विपरीत है। शिकायत में कहा गया है कि कई न्यायिक निदेर्शों की अनदेखी करते हुए ₹लास्ट इन फर्स्ट आउट₹ जैसे असंवैधानिक सिद्धांत पर समायोजन किया गया है। अदालत पहले ही इसे अनुच्छेद-14 के विरुद्ध ठहरा चुकी है। इसके अतिरिक्त, शिक्षामित्रों को सहायक अध्यापकों के समकक्ष मानकर गणना करना भी विधि-विरुद्ध बताया गया है, जिससे पूरी प्रक्रिया की वैधता पर प्रश्नचिह्न लग गया है। समिति ने चिंता व्यक्त की है कि 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग शिक्षक, गंभीर रोग से पीड़ित शिक्षक और अनेक महिला शिक्षिकाएं भी इस स्थानांतरण की चपेट में आ गई हैं, जो उनके संवैधानिक अधिकारों का सीधा उल्लंघन है। समिति के अनुसार, शासनादेश 14 नवंबर 2025 का उद्देश्य शिक्षक-विहीन विद्यालयों में न्यूनतम दो शिक्षक उपलब्ध कराना था। हालांकि, वर्तमान समायोजन के कारण कई विद्यालय फिर से एकल शिक्षक की स्थिति में पहुँच गए हैं, जिससे शिक्षा व्यवस्था प्रभावित हुई है। आरोप है कि न तो सरप्लस शिक्षकों की सूची सार्वजनिक की गई, न शिक्षक-विहीन विद्यालयों का ब्यौरा सामने आया और न ही समायोजन की कोई स्पष्ट नियमावली लोगों को दिखाई गई। समिति ने मांग की है कि सभी समायोजन आदेश तत्काल रद्द किए जाएं, पूरी प्रक्रिया के मानक सार्वजनिक किए जाएं, सूचियां प्रकाशित हों और न्यायालयी आदेशों की अवहेलना करने वाले अधिकारियों पर विधिसम्मत कार्रवाई की जाए।

कमिश्नरी बार एसोसिएशन की निर्विरोध अध्यक्ष बनीं सीमा दीक्षित

सीमा दीक्षित ने अपने पिता स्वर्गीय रघुवीर शरण भारद्वाज का नाम रोशन किया

ब्राह्मण सेवा समिति ने सीमा दीक्षित राजीव अवस्थी के अधिवक्ता संगठन का अध्यक्ष बनने पर बैठक में दी बधाई

संवाददाता

पीलीभीत। ब्राह्मण सेवा समिति की एक बैठक अक्षर निकेत गांधी स्टेडियम के सामने संपन्न हुई। जिसमें कमिश्नरी बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव में जिला संयुक्त बार एसोसिएशन पीलीभीत एल्डर कमेटी के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय रघुवीर शरण भारद्वाज की सुपुत्री एवम् संयुक्त बार के पूर्व कार्यकारिणी सदस्य ब्राह्मण सेवा समिति के संस्थापक अध्यक्ष अरुण भारद्वाज एडवोकेट की छोटी बहन सीमा दीक्षित एडवोकेट के निर्विरोध निर्वाचित होने तथा संयुक्त वार के चुनाव में के अध्यक्ष अखिलेश शर्मा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष निर्वाचित होने पर बैठक में ब्रह्म जनों ने बधाई दी बैठक की अध्यक्षता सूर्यकांत शंखधार ने की बैठक में पूर्व जिला शासकीय अधिवक्ता एवं कमिश्नरी बार एसोसिएशन की अध्यक्ष सीमा दीक्षित संयुक्त वार के अध्यक्ष राजीव अवस्थी वरिष्ठ उपाध्यक्ष अखिलेश शर्मा ने चुनाव जीतकर ब्राह्मणों का सम्मान बढ़ाया है। सीमा दीक्षित की प्रारंभिक शिक्षा गांधी शिशु निकेतन संतराम सरस्वती शिशु मंदिर, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, उपाधि महाविद्यालय ,बरेली कॉलेज बरेली से विधि स्नातक की डिग्री प्राप्त की वह बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि की गायन वादन नृत्य में विशेष पारंगत रही बैठक में बीडी पांडे सिविल बार के पूर्व अध्यक्ष विवेक पांडे, अध्यक्ष आलोक नगाइच, संयुक्त बार अध्यक्ष धीरेंद्र मिश्रा, महामंत्री आनंद मिश्रा पूर्व कोषाध्यक्ष अजय किशोर शर्मा, हेमंत मिश्रा ,सुधीर मिश्रा, सचिन मिश्रा, उपेंद्र मिश्रा ,अशोक पाठक, अविनाश चंद्र मिश्रा, सुनील शुक्ला, स्नेलता तिवारी, डॉक्टर देशबंधु मिश्रा, सोमदत्त शर्मा, कल्पना पांडे मीरा शर्मा आदि ने सीमा दीक्षित राजीव अवस्थी अखिलेश शर्मा के निर्वाचित होने पर शुभकामनाएं दी।

डीएम के निर्देश पर शव को कब्र से निकाल कर दोबारा कराया गया पोस्टमार्टम

संवाददाता

उन्नाव। सदर कोतवाली क्षेत्र में फंदे से लटके मिले एक युवक की मौत का मामला फिर चर्चा में है। मृतक की मां ने इसे आत्महत्या नहीं बल्कि हत्या बताते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। जिलाधिकारी के निर्देश पर सोमवार को युवक का शव कब्र से निकलवाकर दोबारा पोस्टमार्टम कराया गया। यह घटना 30 नवंबर को कांशीराम कॉलोनी में हुई थी, जहां दिनेश नामक युवक का शव घर के भीतर फंदे से लटका मिला था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा था, जिसमें मौत का कारण 'हैंगिंग' बताया गया था।हालांकि, दिनेश की मां फूलकुमारी पत्नी कल्लू ने इस रिपोर्ट पर सवाल उठाते हुए जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र सौंपा था। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके बेटे की पीट-पीटकर हत्या की गई और बाद में साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से शव को पंखे से लटका दिया गया। फूलकुमारी ने डीएम को बताया कि घटना वाली रात दिनेश मजदूरी का बकाया रुपया मांगने दिनेश राज कश्यप, अभिलाष और बाबू कश्यप के घर गया था। वहां तीनों ने उसके साथ मारपीट की। किसी तरह वह जान बचाकर घर पहुंचा, लेकिन आरोप है कि आरोपी भी पीछे-पीछे घर आ गए और दोबारा मारपीट की। मां का कहना है कि इसके बाद उसके बेटे की हत्या कर शव को पंखे से लटका दिया गया, ताकि मामला आत्महत्या का लगे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मिलीभगत के चलते शरीर पर मौजूद चोटों को जानबूझकर दर्ज नहीं किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी गौरांग राठी ने दोबारा पोस्टमार्टम कराने के निर्देश दिए। डीएम के आदेश पर सोमवार सुबह शव को कब्र से बाहर निकलवाया गया। पुलिस की मौजूदगी में डॉक्टरों की एक विशेष टीम द्वारा दोबारा पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कराई गई।

सम्पादकीय

जनहित को राजनीति से ऊपर रखें राज्य सरकारें

भारत का संघीय लोकतंत्र केंद्र और राज्यों के सहयोग पर आधारित है। संविधान की मूल भावना यह है कि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर जनता के हित में काम करें और जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दें, लेकिन बीते कुछ वर्षों में यह सहयोग कई बार राजनीतिक टकराव में बदलता दिखाई देता है। हाल ही में पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ममता बनर्जी सरकार पर आरोप लगाया कि राज्य में केंद्र सरकार की योजनाएं लागू नहीं की जा रहीं, जिससे लोग उनके लाभ से वंचित रह जा रहे हैं। यह आरोप केवल बंगाल तक सीमित नहीं है, बल्कि केरल, तेलंगाना, तमिलनाडु और पंजाब जैसे गैर-भाजपा शासित राज्यों पर भी केंद्र की योजनाओं की अनदेखी के आरोप लगते रहे हैं। इससे पहले दिल्ली में अरविंद केजरीवाल सरकार और केंद्र के बीच भी नीतियों को लेकर लगातार खींचतान देखने को मिली थी। केंद्र सरकार की योजनाएं देश के सभी नागरिकों को ध्यान में रखकर बनाई जाती हैं। आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, जल जीवन मिशन या किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं का उद्देश्य यह है कि सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों तक सरकारी मदद पहुंचे। इन योजनाओं के लिए धन पूरे देश के करदाताओं से आता है। ऐसे में यदि कोई राज्य सरकार राजनीतिक कारणों से इन्हें लागू नहीं करती या आधे-अधूरे मन से लागू करती है, तो यह सीधे-सीधे जनता के अधिकारों पर चोट है। गैर-भाजपा शासित राज्यों का तर्क अक्सर यह होता है कि केंद्र योजनाओं के नाम पर राज्यों पर अपनी नीतियां थोपना चाहता है, या फिर वह राज्यों को पर्याप्त वित्तीय सहायता नहीं देता। कुछ राज्यों का यह भी कहना है कि उनके पास पहले से बेहतर या समानांतर योजनाएं मौजूद हैं, इसलिए वे केंद्र की योजनाओं को लागू करना जरूरी नहीं समझते। यह तर्क कुछ हद तक समझ में आता है, लेकिन सवाल यह है कि क्या इन राजनीतिक और प्रशासनिक मतभेदों की कीमत आम जनता को चुकानी चाहिए? हकीकत यह है कि जब केंद्र और राज्य सरकारें आमने-सामने खड़ी हो जाती हैं, तो सबसे ज्यादा नुकसान गरीब, किसान, मजदूर, महिलाएं और बच्चे उठाते हैं। यदि किसी राज्य में स्वास्थ्य योजना लागू नहीं होती, तो उसका खामियाजा बीमार और असहाय व्यक्ति को भुगतना पड़ता है। अगर आवास या पोषण से जुड़ी योजनाएं रोकी जाती हैं, तो उसका असर सीधे जीवन स्तर पर पड़ता है। आम नागरिक के लिए यह मायने नहीं रखता कि योजना केंद्र की है या राज्य की, उसके लिए अहम यह है कि मदद समय पर मिले। प्रधानमंत्री द्वारा बंगाल में ममता सरकार पर किया गया हमला इसी पृष्ठभूमि में देखा जाना चाहिए। राज्य सरकारों को यह समझना होगा कि लोकतंत्र में सत्ता अस्थायी होती है, लेकिन जनता की जरूरतें स्थायी। जनभावना से राजनीति को दूर रखना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। यदि किसी योजना में खामियां हैं, तो उसे बेहतर बनाने के लिए केंद्र से संवाद किया जाना चाहिए, न कि उसे पूरी तरह ठुकरा दिया जाए। राज्य चाहें तो योजनाओं में स्थानीय जरूरतों के अनुसार बदलाव करें, उनका नाम बदलें या उन्हें अपनी योजनाओं के साथ जोड़ें, लेकिन लाभ लोगों तक पहुंचना चाहिए। कुल मिलाकर लोकतंत्र की सफलता इसी में है कि केंद्र और राज्य मिलकर काम करें। राजनीति अगर जनहित पर भारी पड़ेगी, तो उसका नुकसान पूरे देश को उठाना पड़ेगा।

जनसमस्या
सुशील देव

ग्रामीण भारत से लेकर महानगरों तक, पेयजल की समस्या किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रही। कई गांवों में आज भी हैंडपंप सूख चुके हैं या उनका पानी फ्लोराइड, आर्सेनिक और आयरन जैसे खतरनाक तत्वों से दूषित है। शहरी इलाकों में पाइपलाइन से पानी तो आता है, लेकिन उसकी गुणवत्ता संदिग्ध रहती है। गरीब बस्तियों में लोग मजबूरी में गंदा पानी पीने को विवश हैं, जिसका सीधा असर उनके स्वास्थ्य पर पड़ता है। नीति आयोग की कई रिपोर्ट बताती हैं कि देश की बड़ी आबादी गंभीर जल संकट से जूझ रही है। साफ पानी केवल सुविधा नहीं, बल्कि नागरिकों का मौलिक अधिकार है और इसे सुनिश्चित करना सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

आखिर क्या हैं पेयजल संकट के उपाय

देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर की हालिया घटना ने हर किसी को साफ पेयजल के मसले पर सोचने को मजबूर किया है। यह कड़वा सच है कि देश के कई हिस्सों में आज भी जनता को साफ और सुरक्षित पीने का पानी नसीब नहीं है। यह स्थिति उस भारत में है, जो चंद्रयान से लेकर डिजिटल क्रांति तक अपनी उपलब्धियों पर गर्व करता है। साफ पानी जीवन की सबसे बुनियादी जरूरत है, लेकिन दुर्भाग्यवश यह जरूरत करोड़ों लोगों के लिए अब भी एक सपना बनी हुई है। सरकारें बदलती रहीं, योजनाएं आती-जाती रहीं, पर जमीनी हकीकत यह है कि सरकारी उदासीनता और नीतियों के कमजोर क्रियान्वयन ने पेयजल संकट को और गहरा ही किया है।

ग्रामीण भारत से लेकर महानगरों तक, पेयजल की समस्या किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रही। कई गांवों में आज भी हैंडपंप सूख चुके हैं या उनका पानी फ्लोराइड, आर्सेनिक और आयरन जैसे खतरनाक तत्वों से दूषित है। शहरी इलाकों में पाइपलाइन से पानी तो आता है, लेकिन उसकी गुणवत्ता संदिग्ध रहती है। गरीब बस्तियों में लोग मजबूरी में गंदा पानी पीने को विवश हैं, जिसका सीधा असर उनके स्वास्थ्य पर पड़ता है। नीति आयोग की कई रिपोर्ट बताती हैं कि देश की बड़ी आबादी गंभीर जल संकट से जूझ रही है। बावजूद इसके इस संकट को राजनीतिक प्राथमिकता के रूप में नहीं देखा गया। चुनावी भाषणों में बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, लेकिन चुनाव बीतते ही पेयजल जैसे मुद्दे हाशिये पर चले जाते हैं। पेयजल संकट के लिए प्राकृतिक कारणों को जिम्मेदार ठहराना आसान है, लेकिन सच यह है कि सरकारों की उदासीनता ने इस समस्या को और विकराल बनाया है। कई राज्यों में जलापूर्ति से जुड़ी योजनाएं वर्षों से अधूरी पड़ी हैं। कहीं बजट की कमी का रोना है, तो कहीं भ्रष्टाचार और लाल फीताशाही ने योजनाओं की गति रोक रखी है। ग्रामीण जल आपूर्ति योजनाओं का हाल यह है कि नल तो लगा दिए गए, लेकिन उनमें पानी नहीं है। "हर घर नल से जल" जैसे अभियानों की घोषणाएं भले ही प्रभावशाली हों, पर अनेक गांवों में ये योजनाएं केवल सरकारी फाइलों और आंकड़ों तक सीमित हैं। जमीनी स्तर पर न तो नियमित जल आपूर्ति है और न ही गुणवत्ता की प्रभावी जांच।

भारत में जल से जुड़ी नीतियों की कमी नहीं है। समस्या उनके क्रियान्वयन की है। जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन और भूजल प्रबंधन से संबंधित कानून और दिशा-निर्देश मौजूद हैं, लेकिन उनका पालन कराने की इच्छाशक्ति का अभाव है। शहरी क्षेत्रों में वर्षा जल संचयन को अनिवार्य करने के नियम बने, पर अधिकतर भवनों में इनका पालन नहीं होता। औद्योगिक इकाइयां नदियों और जलस्त्रोतों में बेधड़क प्रदूषित पानी छोड़ रही हैं। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड या तो मूकदर्शक बने रहते हैं या कार्रवाई के नाम पर औपचारिकताएं निभाई जाती हैं। नतीजा यह है कि जो पानी उपलब्ध है, वह भी पीने योग्य नहीं रह गया। साफ पेयजल की कमी का सबसे बड़ा असर गरीब और वंचित तबकों पर पड़ता है। दूषित पानी से डायरिया, टाइफाइड, पीलिया जैसी बीमारियां आम हैं। हर साल हजारों बच्चे केवल इसलिए अपनी जान गंवा देते हैं क्योंकि उन्हें स्वच्छ पानी उपलब्ध नहीं हो पाता। यह एक गंभीर मानवीय संकट है, जिसे अक्सर आंकड़ों

में छिपा दिया जाता है। सामाजिक दृष्टि से भी जल संकट असमानता को बढ़ाता है। जिनके पास पैसे हैं, वे बोतलबंद पानी या टैंकर खरीद लेते हैं, लेकिन गरीबों के पास कोई विकल्प नहीं होता।

कई जगहों पर पानी को लेकर सामाजिक तनाव और टकराव की स्थिति बन रही है, जो भविष्य के लिए खतरनाक संकेत है। पेयजल आपूर्ति की जिम्मेदारी केंद्र और राज्य सरकार दोनों पर है। केंद्र सरकार योजनाएं बनाती है, बजट आवंटित करती है, लेकिन राज्यों में उनके क्रियान्वयन की स्थिति अक्सर निराशाजनक रहती है। कई बार राजनीतिक खींचतान के कारण भी योजनाएं प्रभावित होती हैं। जल जैसे संवेदनशील विषय पर भी राजनीति हावी हो जाती है, जिसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ता है। स्थानीय निकायों और पंचायतों को पर्याप्त अधिकार और संसाधन नहीं दिए जाते, जबकि जल प्रबंधन में उनकी भूमिका सबसे अहम हो सकती है, क्योंकि बिना स्थानीय सहभागिता के कोई भी योजना सफल नहीं हो सकती। सरकार अक्सर संकट के समय तात्कालिक उपायों का सहारा लेती हैं। टैंकर भेज दिए जाते हैं, बोरिंग करवा दी जाती है, लेकिन ये समाधान स्थायी नहीं हैं। दीर्घकालिक योजना और गंभीरता का अभाव साफ झलकता है। जल संरक्षण और स्त्रोतों के पुनर्जीवन पर जितना काम होना चाहिए था, उतना नहीं हुआ। पेयजल संकट से निपटने के लिए सबसे पहले सरकार को इसे सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। नीतियों को कागज से निकालकर जमीन पर उतारना होगा। योजनाओं की नियमित निगरानी, पारदर्शिता और जवाबदेही तय करनी होगी। जल की गुणवत्ता की जांच और उसके सार्वजनिक आंकड़े उपलब्ध कराए जाने चाहिए। साथ ही, जनता की भागीदारी भी जरूरी है। अभी तक हम पानी का उपयोग अनुशासित ढंग से नहीं कर पा रहे हैं।

जरूरत से ज्यादा पानी का नुकसान करना तो जैसे हमारी आदत बन गई हो। ऐसे में हमारी भावी पीढ़ी के लिए भी जल की उपलब्धता सुनिश्चित हो, इसके लिए हमें कई कदम उठाने होंगे; जैसे घरेलू स्तर पर जल का उचित व संयमित उपयोग एवं उद्योगों में पानी के चक्रीय उपयोग जल संरक्षण में सहायक हो सकते हैं। इस्तेमाल किए हुए पानी का फिर से शौचालयों अथवा बगीचों में फिर से इस्तेमाल और रिसाइकिलिंग करके जल का सदुपयोग कैसे करना है, इस दिशा में जन-जागरूकता बढ़ायी जाए। वर्षा-जल का संग्रहण करके हम पानी को बचा सकते हैं। विभिन्न जलाशयों का निर्माण करके उनमें जल संग्रह करना जल संसाधन का सबसे पुराना उपाय है, इसे आगे भी बढ़ाया जा सकता है। भूमिगत जल संरक्षण के लिए भूमिगत जल का कृत्रिम रूप से पुनर्भरण किया जा सकता है टपकन टैंक/ड्रिप/स्प्रिंकल सिंचाई के उपयोग से सिंचाई जल के संरक्षण को बढ़ावा दिया जा सकता है।वर्षा जल संचयन, जल पुनर्भरण और पानी के विवेकपूर्ण उपयोग को जन आंदोलन का रूप देना होगा। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में पेयजल केवल एक प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन, विकास और सामाजिक न्याय से जुड़ा बुनियादी प्रश्न है। देश में साफ पेयजल की समस्या केवल संसाधनों की कमी का सवाल नहीं है, बल्कि यह शासन की संवेदनशीलता और नीतिगत ईमानदारी की भी परीक्षा है। सरकार की उदासीनता और क्रियान्वयन में लापरवाही ने इस संकट को बढ़ाया है, इसमें कोई संदेह नहीं। यदि अब भी चेतने का समय नहीं आया, तो आने वाले वर्षों में जल संकट एक भयावह सामाजिक और मानवीय त्रासदी का रूप ले सकता है। साफ पानी केवल सुविधा नहीं, बल्कि नागरिकों का मौलिक अधिकार हैं और इसे सुनिश्चित करना सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

दिवस विशेष
सुनील कुमार महला

प्राकृतिक आपदाओं के बीच एनडीआरएफ की भूमिका

राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) का स्थापना दिवस 19 जनवरी को मनाया जाता है, क्योंकि वर्ष 2006 में इसी दिन एनडीआरएफ का गठन किया गया था। यह बल प्राकृतिक व मानव-निर्मित आपदाओं में राहत और बचाव कार्य के लिए जाना जाता है। एनडीआरएफ का आदर्श वाक्य 'आपदा सेवा सदैव सर्वत्र' है, जिसका अर्थ है-'किसी भी आपदा में, हमेशा और हर जगह सेवा के लिए तत्पर।' प्राकृतिक व मानव-निर्मित आपदाएं वे घटनाएं हैं जो व्यापक स्तर पर जीवन, संपत्ति और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाती हैं। भूकंप, बाढ़, सूखा, चक्रवात, तूफान, भूस्खलन, हिमस्खलन, जंगल की आग, सुनामी, बादल फटना, लू और शीत लहर आदि प्राकृतिक आपदाएं तथा औद्योगिक दुर्घटनाएं, रासायनिक/गैस रिसाव, परमाणु दुर्घटनाएं, आग लगना, इमारत या पुल गिरना, तेल रिसाव, खनन हादसे, रेल-सड़क-हवाई दुर्घटनाएं, आतंकवादी हमले और युद्ध मानव-निर्मित आपदाएं हैं। वास्तव में प्राकृतिक आपदाएं प्रकृति की प्रक्रियाओं के कारण होती हैं, जिन पर मानव का सीधा नियंत्रण नहीं होता, वहीं दूसरी ओर मानव-निर्मित आपदाएं मानवीय गतिविधियों, लापरवाही या तकनीकी विफलताओं के कारण उत्पन्न होती हैं।

संक्षेप में कहें तो जहां एक ओर प्राकृतिक आपदाएं प्रकृति से आती हैं, वहीं, दूसरी ओर मानव-निर्मित आपदाएं मानव की गलतियों या क्रियाओं का परिणाम होती हैं। दोनों ही हमारे समाज, देश व अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव डालती हैं। वास्तव में आपदा प्रबंधन राष्ट्रीय प्राथमिकता है और भारत सरकार ने देश में आपदाओं से निपटने की व्यवस्था को आधुनिक और मजबूत बनाने के उद्देश्य से अगस्त 1999 में एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया। बाद में गुजरात भूकंप की विभीषिका को देखते हुए एक राष्ट्रीय समिति भी बनाई। इन समितियों का मुख्य लक्ष्य केवल राहत कार्य तक सीमित न रहकर, भविष्य की आपदाओं के लिए ठोस पूर्व-तैयारी करना और नुकसान को कम करने के लिए एक प्रभावी सरकारी ढांचा तैयार करना था। इन पहलों का उद्देश्य भारत में आपदा प्रबंधन को एक व्यवस्थित और वैज्ञानिक रूप देना था ताकि जान-माल की क्षति को न्यूनतम किया जा सके। दसवीं पंचवर्षीय योजना (2002-07) के दस्तावेज़ में पहली बार, आपदा प्रबंधन पर एक विस्तृत अध्याय जारी किया गया था और अंततः 23 दिसंबर, 2005 को भारत सरकार द्वारा 'आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005' को अधिनियमित किया गया, जिसके तहत 'राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण' (एन.डी.एम.ए.) एवं 'राष्ट्रीय आपदा मोचन बल' (एन.डी.आर.एफ.) का गठन किया गया। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) भारत में आपदा प्रबंधन के लिए गठित एक सर्वोच्च संस्था है, जिसकी स्थापना 'आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005' के अंतर्गत की गई थी। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में कार्य करने वाला यह निकाय देश में आपदाओं से निपटने के लिए मुख्य नीतियां, योजनाएं और दिशा-निर्देश तैयार करने हेतु उत्तरदायी है। इसका प्राथमिक उद्देश्य एक ऐसी एकीकृत और रणनीतिक प्रणाली विकसित करना है, जो संकट के समय समय पर और प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित कर जान-माल के नुकसान को न्यूनतम कर सके। वास्तव में इस संस्था का मुख्य लक्ष्य आधुनिक तकनीक और सभी वर्गों की भागीदारी के माध्यम से भारत को आपदाओं के प्रति सुरक्षित और सक्षम बनाना है। यह केवल संकट आने का इंतज़ार करने के बजाय पहले से सतर्क रहने (प्रो-एक्टिव) और विकास कार्यों को आपदा-रोधी बनाने की रणनीति पर ज़ोर देती है। इसका उद्देश्य समाज में एक ऐसी संस्कृति विकसित करना है, जहां आपदाओं को रोकने, उनकी पूर्व-तैयारी करने और उनके प्रभाव को कम करने (शमन) को प्राथमिकता दी जाए, ताकि देश का विकास टिकाऊ बना रहे। बहरहाल, बता दें कि वर्तमान में एनडीआरएफ में कुल 16 बटालियन हैं। प्रत्येक बटालियन में लगभग 1,149 कर्मी होते हैं। दरअसल, एनडीआरएफ एक विशेषज्ञ बल है जिसमें भारत के विभिन्न केंद्रीय अर्धसैनिक बलों (सीएपीएफ) से जवानों को प्रतिनियुक्ति (डेपुटेशन) पर लिया जाता है। एनडीआरएफ स्थापना दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि आपदा के समय त्वरित, संगठित और मानवीय प्रतिक्रिया कितनी आवश्यक है। एनडीआरएफ का योगदान सुरक्षित, सक्षम और संवेदनशील भारत के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण है और एनडीआरएफ का स्थापना दिवस भारत की उस अदम्य इच्छाशक्ति का उत्सव है, जो यह सुनिश्चित करती है कि देश किसी भी विपदा के सामने घुटने नहीं टेकेगा, बल्कि और अधिक मजबूती से उठ खड़ा होगा।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

यमदूतों को देख डर जाता है व्यक्ति

संकलित
दर्शन

गरुड़ पुराण में मृत्यु के बाद के रहस्य, आत्मा की यात्रा, पाप-पुण्य, स्वर्ग और नरक के बारे में विस्तार से बताया गया है। संसार का ये नियम अटल है कि जिसने जन्म लिया है, उसकी मृत्यु भी तय है। जन्म और मृत्यु दो वो छोर हैं, जिनकी प्रक्रियाएं एक दूसरे से बहुत अलग हैं। गरुड़ पुराण के अनुसार, मृत्यु के समय व्यक्ति के शरीर में जो हलचल होती है वो उसके कर्मों और उसकी मानसिक स्थिति पर निर्भर करती है। गरुड़ पुराण में आंखों के पलटने के पीछे कुछ प्रमुख वजहें बताई गई हैं, जिस व्यक्ति को जीवनकाल में सांसारिक सुखों, धन-संपत्ति और परिवार का अधिक मोह रहता है, उसके लिए प्राण त्यागना बहुत कष्टकारी होता है। गरुड़ पुराण कहता है मृत्यु के पास आने पर भी ऐसा व्यक्ति संसार नहीं छोड़ना चाहता। उसमें जीने की इच्छा रहती है। यही इच्छा उसे शरीर से बांधकर रखती है, इसलिए जब शरीर से प्राण खींचे जाते हैं, तो आंखें ऊपर की ओर उलट जाती हैं। वहीं शास्त्रों में बताया गया है कि जब यमदूत आत्मा को लेने आते हैं, तो उनका स्वरूप देखकर मरणासन्न व्यक्ति डर जाता है। वो कुछ कहना चाहता है, लेकिन उसकी आवाज गले में अटक जाती है। डर में उसकी पुतलियां फैल जाती हैं और आंखें उलट जाती है. यमदूत जब बल से आत्मा को शरीर से निकालते हैं, तो भी ऐसी अवस्था हो जाती है, वहीं जब प्राण मस्तक या आखों से निकलते हैं, तो भी आंखें पलट जाती हैं।

अपनी बुराई सुनकर परेशान न हों

संकलित
प्रेरणा

एक लोक कथा के अनुसार पुराने समय में एक संत अपने शिष्य के साथ एक गांव में रुके। कुछ ही दिनों संत की ख्याति आसपास के क्षेत्र में फैल गई। अब उनके प्रवचन सुनने और दर्शन करने के लिए दूर-दूर से लोग आने लगे। ये देखकर उसी गांव का एक अन्य पंडित परेशान हो गया। उसे लगने लगा कि इस संत की वजह से मेरे भक्त कम हो जाएंगे। मेरा जीवन यापन कैसे होगा? पंडित ने संत का दुष्प्रचार करना शुरू कर दिया। वह लोगों के सामने उस संत की बुराई करता था। एक दिन संत के शिष्य को ये सारी बातें मालूम हुईं तो उसे बहुत गुस्सा आया। वह तुरंत ही अपने गुरु के पास पहुंचा और पूरी बात बताई। संत ने शिष्य की बातें सुनी और कहा कि उसे छोड़ो। अगर मैं उस पंडित से वाद-विवाद करूंगा तो इससे ये सब बातें फैलना बंद नहीं होंगी। इसीलिए उसकी बातें पर ध्यान नहीं देना चाहिए। संत ने देखा कि शिष्य का क्रोध शांत नहीं हुआ है। तब उन्होंने कहा कि जब जंगल का हाथी गांव में आता है तो उसे देखकर सभी कुत्ते भौंकने लगते हैं, लेकिन हाथी पर इसका कोई असर नहीं होता है। हाथी अपनी मस्त चाल चलते रहता है। कुत्ते भौंकते हुए थक जाते हैं और वापस अपने इलाके की ओर भाग जाते हैं। हमें भी अपनी बुराई करने वालों के साथ इसी तरह पेश आना चाहिए। हमें सिर्फ अपना काम ईमानदारी से करना चाहिए और सत्य के मार्ग पर आगे बढ़ते रहना चाहिए। हमारे अच्छे काम ही ऐसे लोगों का मुंह बंद कर सकते हैं।

अंतर्मन

आज की पाती

सड़क पर मवेशी

राजधानी रायपुर में आवारा कुत्तों के साथ ही अब मवेशी लोगों की परेशानी का सबब बने हुए हैं। रायपुर में जिस ओर भी जाएं, सड़क पर मवेशी नजर आते हैं। नगर निगम का अमला कुछ दिन कार्रवाई करता है और शांत हो जाता है। ऐसे में सड़क पर चलने वाले दोपहिया और चार पहिया वाहन चालकों को दिक्कत होती है। आए दिन सड़क हादसे की वजह सड़क पर मवेशी बनते हैं।

-शाहिन बेगम, रायपुर

ट्रेंड

घुसपैठियों पर एक्शन

डबल इंजन सरकार बनते ही पश्चिम बंगाल में घुसपैठियों के खिलाफ बड़ा एक्शन लिया जाएगा। इसके साथ ही मतुआ और नामशूद्र जैसे शरणार्थियों को पूरी सुरक्षा देकर उनकी बस्तियों में विकास को गति दी जाएगी, ये मोदी की गारंटी है।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

नाकाम व्यवस्था दोषी

माघमेला क्षेत्र में इस साल फिर से साधु-संतों-भक्तों के साथ हुआ दुर्व्यवहार अक्षम्य है। प्रश्न ये है कि ऐसी घटनाएं भाजपा की सरकार में ही क्यों हो रही हैं। इस अवस्था के लिए भाजपा का कुशासन और नाकाम व्यवस्था ही दोषी है।

- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

दुर्भाग्यपूर्ण घटना

वाराणसी में अहिल्याबाई होल्कर की मूर्ति को हटाने की खबर से समाज के एक बड़े वर्ग में काफी रोष व आक्रोश व्याप्त है। इस अति-दुर्भाग्यपूर्ण घटना को लेकर सरकार को अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

- मायावती, पूर्व सीएम, उप्र

जनता पर विश्वास

हमें पूरा विश्वास है कि तमिलनाडु की जनता आरएसएस-भाजपा की कट्टरता, सांप्रदायिकता और भेदभावपूर्ण राजनीति के बजाय समानता, सामाजिक न्याय, सशक्तिकरण और सुशासन को चुनेगी। कांग्रेस जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

-मल्लिकार्जुन खरगे, अध्यक्ष, कांग्रेस

करंट अफेयर

गैलेक्सीआई 'मिशन दृष्टि' के लिए तैयार

अंतरिक्ष क्षेत्र का स्टार्टअप गैलेक्सीआई अपनी तरह के पहले उपग्रह को प्रक्षेपित करने की तैयारी में है जो 'ऑप्टिकल' और 'रडार सेंसर' से प्राप्त आंकड़ों को एकीकृत कर पृथ्वी की तस्वीरें तैयार करेगा। इन तस्वीरों का उपयोग रक्षा से लेकर कृषि तक कई क्षेत्रों में किया जा सकेगा। स्टार्टअप की इस वर्ष की पहली तिमाही में 'मिशन दृष्टि' नामक बहु-संवेदी पृथ्वी अवलोकन उपग्रह को प्रक्षेपित करने और 2030 तक इसे 10 उपग्रहों के एक समूह में विस्तारित करने की योजना है। गैलेक्सीआई के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सुयश सिंह ने कहा, मिशन दृष्टि वैश्विक स्तर पर पहला ऐसा उपग्रह है, जिसमें एक ही प्लेटफॉर्म पर रडार सेंसिंग और ऑप्टिकल इमेजिंग को एकीकृत किया गया है। इसके साथ ही यह भारत का निजी तौर पर विकसित सबसे बड़ा उपग्रह भी है। सिंह ने बताया कि गैलेक्सीआई अगले कुछ वर्षों में दो और उपग्रह तैनात करने की योजना बना रहा है और दशक के अंत तक छह-सात अतिरिक्त उपग्रह जोड़कर कुल संख्या 2030 तक 10 करने का लक्ष्य है। इससे बड़े पैमाने पर लगभग तुरंत डेटा उपलब्ध कराया जा सकेगा। जहां मल्टी-स्पेक्ट्रल ऑप्टिकल कैमरा पृथ्वी की तस्वीरें लेता है।

ऑफ बीट

'काजीरंगा कॉरिडोर' से वन्यजीवों की होगी सुरक्षा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को जिस 'काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर' परियोजना की आधारशिला रखेंगे, उसका उद्देश्य राष्ट्रीय उद्यान में वन्यजीवों का सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करना और 'इकोटूरिज्म' को बढ़ावा देना है। 'इकोटूरिज्म' से तात्पर्य प्राकृतिक क्षेत्रों में ऐसे पर्यटन से है जिससे स्थानीय वन्य जीवन एवं पर्यावरण को संरक्षित रखा जा सके और उन्हें लाभ पहुंचे। मोदी ने कहा कि 6,957 करोड़ रुपये की यह परियोजना राष्ट्रीय राजमार्ग-37 पर दुर्घटनाओं को कम करने में भी मदद करेगी। एक अधिकारी ने बताया कि परियोजना के तहत राष्ट्रीय राजमार्ग-37 (नया राष्ट्रीय राजमार्ग-715) के कालियाबोर-नुमालीगढ़ खंड को चार लेन का किया जाएगा और लगभग 34.45 किलोमीटर का 'एलिवेटेड कॉरिडोर' बनाया जाएगा। इसके तहत जखलाबांधा और बोकाखाट में बाईपास भी बनाए जाएंगे।उन्होंने कहा कि इस परियोजना को उच्चतम न्यायालय के निर्देशों और भारतीय वन्यजीव संस्थान की सिफारिशों के अनुरूप तैयार किया गया है। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि परियोजना का उद्देश्य मध्य एवं अपर असम के बीच संपर्क बेहतर करना और यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान की समृद्ध जैव विविधता का संरक्षण सुनिश्चित करना है।

खबर संक्षेप

कविता ने चुनावी रणनीति पर पीके से की चर्चा

हैदराबाद। तेलंगाना के पूर्व सीएम के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) की बेटी कलवकुंतला कविता जल्द ही अपनी नई राजनीतिक पार्टी शुरू करेंगी। इसके लिए कविता ने मशहूर चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर से बातचीत की है। प्रशांत किशोर हाल ही में पांच दिनों के लिए हैदराबाद आए थे। इस दौरान कविता ने उनसे मुलाकात की।

हिप्र में पेट्रोल-डीजल पर अनाथ व विधवा सेस

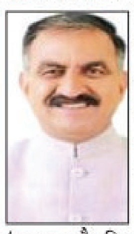

शिमला। हिमाचल प्रदेश के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू की अध्यक्षता राज्य मंत्रिमंडल की बैठक हुई। इसमें सरकार ने कल्याणकारी योजनाओं को मजबूत करने के लिए पेट्रोल और डीजल पर 'अनाथ और विधवा सेस' लगाने का फैसला किया है। यह सेस तेल की पहली बिक्री के समय लगाया जाएगा। इससे आम उपभोक्ताओं पर बोझ नहीं पड़ेगा।

इलैयाराजा को मिलेगा पद्मपाणि अवॉर्ड

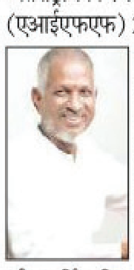

मुंबई। आगामी अजंता-एलोरा अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (एआईएफएफ) 2026 में दिग्गज संगीतकार इलैयाराजा को पद्मपानी पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इसकी घोषणा आयोजकों ने की। वार्षिक फिल्म महोत्सव 28 जनवरी से 4 फरवरी तक छत्रपति संभाजीनगर में आयोजित किया जाएगा। महोत्सव के उद्घाटन समारोह में अवार्ड दिए जाएंगे।

34 करोड़ की धोखाधड़ी में ओबेरॉय पर जांच शुरू

मुंबई। मुंबई पुलिस की इकोनॉमिक ऑफिस विंग के सामने करीब 34.75 करोड़ रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। क्यूपिड डायमंड प्रा. लि. के निदेशक ने हीरा धोखाधड़ी मामले में एफआईआर दर्ज कराई है।

पशिचम बंगाल में एसआईआर पर चुनाव आयोग को सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश

विसंगति सूची वाले करीब 1.25 करोड़ मतदाताओं के नाम करें 'सार्वजनिक'

दस्तावेज और आपत्तियां जमा करने के लिए विशेष कांउटर बनाएं

अदालत ने स्पष्ट किया कि यह विसंगतियां मुख्य रूप से 2002 की मतदाता सूची से वंश (प्रोजेनी) मिलान के दौरान सामने आई हैं। इसमें मतदाता और उसके माता-पिता के नाम में मेल न होना, मतदाता और उसके माता-पिता की उम्र का अंतर 15 साल से कम या 50 साल से ज्यादा होना जैसे प्रावधान शामिल है

सूची ग्राम पंचायत भवनों से लेकर वार्ड कार्यालयों तक लगाएं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में चल रहे मतदाता सूची के (एसआईआर) को लेकर चर्चा तेज होती ही जा रही है। इसी बीच इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को चुनाव आयोग (ईसी) को अहम निर्देश दिया है। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि पश्चिम बंगाल में जिन मतदाताओं के नाम तार्किक विसंगति (लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी) की सूची में हैं, उनकी जानकारी सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित की जाए। अदालत ने कहा कि यह सूची ग्राम पंचायत भवनों, तालुका स्तर के ब्लॉक कार्यालयों और वार्ड कार्यालयों में लगाई जाए, ताकि आम लोग इसे आसानी से देख सकें। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी बताया कि पश्चिम बंगाल में करीब 1.25 करोड़ मतदाताओं के नाम इस तार्किक विसंगति सूची में दर्ज हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि यह विसंगतियां मुख्य रूप से 2002 की मतदाता सूची से वंश मिलान के दौरान सामने आई हैं। इसमें मतदाता और उसके माता-पिता के नाम में मेल न होना, मतदाता और उसके माता-पिता की उम्र का अंतर 15 साल से कम या 50 साल से ज्यादा होना जैसे प्रावधान शामिल है।

योग्य मतदाता का नाम गलत तरीके से मतदाता सूची से न हटे

सुप्रीम कोर्ट

प्रभावितों को पूरा अवसर दें

मामले में मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की तीन सदस्यीय पीठ ने कहा कि जिन लोगों के नाम स्पेशल इंटेंसिव रीविजन (एसआईआर) प्रक्रिया से प्रभावित हो सकते हैं, उन्हें अपने दस्तावेज और आपत्तियां दर्ज कराने का पूरा अवसर दिया जाए। अदालत ने निर्देश दिया कि दस्तावेज और आपत्तियां जमा करने के लिए पंचायत भवनों और ब्लॉक कार्यालयों में विशेष काउंटर/ कार्यालय बनाए जाएं।

पूरी प्रक्रिया पारदर्शी हो

बता दें, सुप्रीम कोर्ट यह मामला उन याचिकाओं पर सुन रहा था, जिनमें आरोप लगाया गया है कि पश्चिम बंगाल में चल रही मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में मनमानी और प्रक्रियागत खामियां हैं। अदालत ने कहा कि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, निष्पक्ष और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करने वाली होनी चाहिए, ताकि किसी भी योग्य मतदाता का नाम गलत तरीके से मतदाता सूची से न हटे।

निर्देशों का सख्ती से पालन हो

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार चुनाव आयोग को पर्याप्त मानव संसाधन (स्टाफ) उपलब्ध कराए। हर जिले में चुनाव आयोग या राज्य सरकार द्वारा जारी निर्देशों का सख्ती से पालन किया जाए। राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) यह सुनिश्चित करें कि पूरी प्रक्रिया के दौरान कानून-व्यवस्था की कोई समस्या न हो और काम शांतिपूर्ण ढंग से पूरा हो।

चुनाव में जीत हासिल होगी: बेनर्जी

पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के बारासात में आयोजित रैली में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश को लेकर कहा कि अदालत में मिली इस जीत के बाद पार्टी को अप्रैल में होने वाले विधानसभा चुनावों में भी जीत हासिल होगी। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर इशारा करते हुए कहा कि यह मां माटी मानुष की जीत है। यह पश्चिम बंगाल की जनता की उन लोगों पर जीत है, जिन्होंने मतदाता सूची से एक करोड़ नागरिकों के नाम मिटाने की कोशिश की।

मंत्री हुसैन को सुनवाई के लिए बुलाया

पश्चिम बंगाल सरकार में मंत्री और टीएमसी नेता ताजमुल हुसैन को राज्य में मतदाता सूचियों के एसआईआर के तहत सुनवाई के लिए चुनाव आयोग ने तलब किया गया है। उन्हें सुनवाई का नोटिस इसलिए भेजा गया है, क्योंकि 2002 की मतदाता सूची में दर्ज उनके और उनके पिता के नाम में अंतर पाया गया है। हुसैन ने कहा कि यह वही निर्वाचन आयोग है, जिसने मुझे तीन बार विधानसभा चुनावों का विजेता घोषित किया और अब वह यह सत्यापित करने की कोशिश कर रहा है कि क्या मैं एक वैध मतदाता हूं।

बेंगलुरु राज्य निर्वाचन आयोग का फैसला

निकाय चुनाव बैलेट से होंगे, जिला और पंचायत चुनाव भी इसी तरह

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) जीएस संगरेशी ने सोमवार को कहा कि वृहद बेंगलुरु प्राधिकरण (जीबीए) के अंतर्गत आने वाले पांच नगर निगमों के चुनाव 25 मई के बाद इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के बजाए मतपत्रों के माध्यम से होंगे। संगरेशी ने यह भी कहा कि इस साल के अंत में प्रस्तावित जिला और तालुक पंचायत चुनाव भी मतपत्रों के माध्यम से ही कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि 10वीं, 11वीं और 12वीं कक्षा की परीक्षाएं समाप्त होने के बाद, 25 मई के बाद चुनाव होने की संभावना है।

जीएस संगरेशी

सीईओ ने कहा कि इस बार जीबीए चुनाव मतपत्रों के माध्यम से कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव कराने के दो सर्वोत्तम तरीके हैं। शुरुआत से ही मतपत्रों का इस्तेमाल होता रहा है, लेकिन पिछले 20-30 वर्षों से ईवीएम का उपयोग किया जा रहा है।

अमेरिका भी मतपत्रों का इस्तेमाल कर रहा

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार ने पिछले साल सितंबर में राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) को यह सिफारिश करने का फैसला किया था कि राज्य में भविष्य में होने वाले सभी पंचायत और शहरी निकाय चुनाव ईवीएम के बजाय मतपत्रों के माध्यम से कराए जाएं। सरकार का दावा था कि ईवीएम के प्रति लोगों की विश्वसनीयता कम हो रही है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि अमेरिका जैसे विकसित देश भी मतपत्रों का इस्तेमाल करते हैं और देश में भी विधानसभा व लोकसभा चुनावों को छोड़कर ग्राम पंचायत व सहकारी समितियों के अधिकांश चुनाव मतपत्रों से होते हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि, पिछली बार 2015 में बेंगलुरु नगर निगम के चुनाव ईवीएम से हुए थे।

दबाव में नहीं लिया यह निर्णय

जीएस संगरेशी ने स्पष्ट किया कि उन्होंने किसी के दबाव में यह निर्णय नहीं लिया है। राज्य निर्वाचन आयोग एक स्वतंत्र संवैधानिक निकाय है, और चूंकि कानून में मतपत्रों या ईवीएम का उपयोग करके चुनाव कराने का प्रावधान है, इसलिए आयोग के पास निर्णय लेने का विवेक है। मतपत्रों का उपयोग करना एक विकल्प है। मतपत्रों के इस्तेमाल पर न तो कानून और न ही उच्चतम न्यायालय की रोक है। वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, विचार-विमर्श और चिंतन के बाद यह निष्कर्ष निकाला कि मतपत्रों का उपयोग उचित है। पिछले 20-30 वर्षों से (बेंगलुरु में) मतदान करने वाले अधिकांश लोगों ने मतपत्र नहीं देखे हैं क्योंकि लंबे समय से ईवीएम का उपयोग किया जा रहा है। मतपत्र एक सर्वोत्तम प्रक्रिया भी है, जिसकी विश्वभर में सराहना की जाती है। पिछले हफ्ते उच्चतम न्यायालय ने कर्नाटक सरकार और राज्य चुनाव आयोग को 30 जून तक बेंगलुरु के निकाय चुनाव कराने का निर्देश दिया था।

दिल्ली हाईकोर्ट से सेंगर को झटका

पीड़िता के पिता की मौत मामले में जमानत याचिका खारिज

एजेंसी ▶▶ दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट से उन्नाव दुष्कर्म पीड़िता के पिता की हिरासत में हुई मौत के मामले में कुलदीप सिंह सेंगर की जमानत याचिका खारिज हो गई है। यह फैसला हाईकोर्ट की ओर से सुनाया गया है। यह याचिका कुलदीप सेंगर की उस अपील के जवाब में आई है, जिसमें उन्होंने दुष्कर्म के मामले में अपनी सजा को चुनौती दी। पीड़िता ने आरोप लगाया कि सेंगर ने जांच को प्रभावित करने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि मुकदमे के दौरान उसकी उम्र के बारे में जाली और झूठे दस्तावेजों का इस्तेमाल किया गया, जिनका अब अपील में भी सहारा लिया जा रहा है। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम. सिंह और न्यायमूर्ति मधु जैन की पीठ ने इस मामले का अवलोकन किया। पीठ ने पाया कि अपील पहले से ही अंतिम सुनवाई के चरण में है। अदालत ने पीड़िता की याचिका पर विचार करने के लिए 25 फरवरी की तारीख तय की है।

राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड बैठक संपन्न

मप्र के बुंदेलखंड क्षेत्र की सिंचाई योजना पर हुई चर्चा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की स्थायी समिति की 88वीं बैठक केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में स्थायी समिति ने वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के प्रावधानों के तहत, संरक्षित क्षेत्रों, वन्यजीव व बाघ अभयारण्यों और पर्यावरण-संवेदनशील क्षेत्रों में एवं उसके आसपास स्थित सार्वजनिक उपयोगिता सेवाओं, रक्षा आवश्यकताओं और अवसंरचना विकास से संबंधित 70 प्रस्तावों पर विचार किया। समिति ने जिन प्रमुख सार्वजनिक उपयोगिता प्रस्तावों पर चर्चा की, उनमें मध्य प्रदेश में मध्यम सिंचाई परियोजना से संबंधित प्रस्तावों पर भी विस्तार से विचार किया गया। यह परियोजना बुंदेलखंड क्षेत्र में पेयजल और सिंचाई जल की बेहतर आपूर्ति प्रदान करने का उद्देश्य रखती है, तो दूसरी तरफ वन्यजीवों और घड़ियालों के लिए उन्नत जल प्रबंधन को बढ़ावा देने में सहायक है।

कदमताल करते घुड़सवार

नई दिल्ली। 77वें गणतंत्र दिवस पर नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर रिहर्सल करते हुए सेना के घुड़सवार।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) राजपुर, जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ०ग०)
क्र./57/अ.वि.अ./स्टेनों/2026
राजपुर, दिनांक 06/01/2026
ईश्तहार
रा०प्र०क्र०- /अ-2/2025-26
ग्राम पंचायत जिगड़ी

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम जिगड़ी को सूचित किया जाता है कि आवेदक अविड किस्पोट्टा आ० श्री जखरियस किस्पोट्टा, जाति-उरांव, निवासी ग्राम-जिगड़ी, तह०-राजपुर, जिला बलरामपुर-रा०गंज (छ०ग०) द्वारा अपने नाम की भूमि जो ग्राम जिगड़ी, प.ह.नं. 06 रा०नि०मं. झिंगों स्थित भूमि स्वामित्व हक की भूमि खसरा नं0-76/2 रकबा 0.1270 हे0 मेंसे रकबा 0.020 हे0 में व्यपवर्तन हेतु आवेदन पत्र, मय बी-1, खसरा, शपथ पत्र, के साथ आवेदन पेश किया है, जो न्यायालय में व्यपवर्तन हेतु विचाराधीन है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति, या संस्था को उजर आपत्ति या दावा हो वह स्वयं या किसी मान्य अधिवक्ता अथवा वैध अभिकर्ता के माध्यम में अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में दिनांक 30/01/2026 न्यायालयीन समय में पेश कर सकता है। नियत तिथि पश्चात प्राप्त दावा या आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 16/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालयीन मुद्रा द्वारा जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा0)
राजपुर जिला बलरामपुर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र० /ब-121/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका साधना पाराशर पति अशोक कुमार पाराशर, निवासी बी-87, अलकापुरी, हुजुर भोपाल (म०प्र०) द्वारा अपने स्वामित्व की ग्राम अजिरमा स्थित व्यपवर्तित भूमि खसरा नंबर 928/3 रकबा 0.012 हे0 भूमि एवं उस पर निर्मित ड्यूपलेक्स मकान को रूपयों की आवश्यकता होने के कारण अनावेदिका प्रियम्बदा दुबे पति विद्यापति दुबे, निवासी रवि त्रिपाठी गली ब्रम्हपारा वार्ड क्र० 33 अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०) को रू0 42,00,000/- (बयालीस लाख रुपए) में विक्रय करने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 01/02/2026 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 13/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अतिरिक्त तहसीलदार,
अम्बिकापुर-02

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) धौरपुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)
ईश्तहार
रा०प्र०क्र० /अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण ग्राम उंचडीह को सूचित किया जाता है कि आवेदिका गीतांजली प्रजापति आ० आदित्य प्रजापति, जाति कुम्हार, निवासी ग्राम गंगापुर, तहसील लुण्ड्रा (धौरपुर), जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम उंचडीह, तहसील लुण्ड्रा (धौरपुर) स्थित खसरा नंबर 142/1 रकबा 0.518 हे० में से रकबा 0.202 हे० भूमि को कृषि भिन्न से व्यवसायिक प्रयोजन व्यपवर्तन कराने के लिए बी-1, खसरा, रजिस्ट्री इत्यादि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 27/01/2026 को मेरे न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा आज दिनांक 13/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा.) धौरपुर, जिला सरगुजा

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2, जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क ०.202501021700021/ अ-6/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक देवेश मिश्र आ. कैलाश नाथ मिश्रा, जाति ब्राहम्ण, निवासी मिश्रा कालोनी केदारपुर अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० द्वारा ग्राम सरगंवा स्थित भूमि खसरा नंबर 467, 725 रकबा 0. 150, 0.370 हे० भूमि पर से पंजीबद्ध दानपत्र दिनांक 08/12/2025 के आधार पर दानकर्ता कैलाश नाथ मिश्र आ० स्व. रामजन्म मिश्रा, जाति ब्राहम्ण, निवासी मिश्रा कालोनी केदारपुर अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० का नाम विलोपित कराकर उपरोक्त दानपत्र के आधार पर अपना नाम दर्ज कराने बावत आवेदन पत्र छ०ग० भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 110 के तहत प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 09/02/2026 को न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। न्यायालय ओतारी दिनांक 15/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

अतिरिक्त तहसीलदार
अम्बिकापुर-2

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)
रा.प्र.क्र. ब/121 वर्ष
ग्राम दरीर्पारा
प.ह.न. 02
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुभाषचन्द पिता सम्पत जाति तेली निवासी ग्राम दरीर्पारा प.ह.न. 02 रा.नि.म. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्री नेहा गुप्ता आङ्क सुभाष चन्द का जन्म दिनांक 28/08/1992 को ग्राम दरीर्पारा में हुई है. अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नहीं करा पाया है। आवेदक अपने पुत्री नेहा गुप्ता आङ्क सुभाष चन्द का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत दरीर्पारा को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 22/01/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनाक 14/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
भैयायान
जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)
रा.प्र.क्र. ब/121 वर्ष
ग्राम परसिया
प.ह.न. 01
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक तिलसाय पिता बेसाहु जाति रजवार निवासी ग्राम परसिया प.ह.न. 01 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्र / पुत्री धरमसाय आ० तिलसाय को जन्म/मृत्यु दिनाक 17/10/2010 को ग्राम परसिया में हुई है, अज्ञानतावश जन्म / मृत्यु पंजीयन नहीं करा पाया है। आवेदक अपने पुत्र/पुत्री धरमसाय आ0 तिलसाय का जन्म/मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत परसिया को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 21/01/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 07/01/ 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर रो जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
भैयाथान
जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)
ईश्तहार
रा०प्र०क्र०/अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजबाला देवी दीवान पत्नी संतोष दीवान जाति अग्रवाल निवासी दत्ता कालोनी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम सुभाषनगर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 128/2 रकबा 0.060 हे0 में से 0.040 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 23/1/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 16/01/ 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा) अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) भैयाथान, जिला सूरजपुर (छ०ग०)
ईश्तहार-

रा0प्र 0क्र0 /अ-2/2025-26

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम पंचायत कोयलारी नगर पंचायत/नगर पालिका परिषद जिला सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि श्री विजय कुमार शुक्ला पिता/पति श्री बेदान्ती शुक्ला निवासी कोयलारी के द्वारा अपने स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि खसरा नं० 06 रकबा 0.65 हे० जो ग्राम कोयलारी प.ह.नं 11 रा०नि०म० शिवप्रसादनगर तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर में स्थित है के आवासीय भू-परिवर्तन (डायवर्सन) हेतु इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में ग्राम पंचायत/नगर पंचायत/नगर पालिका निगम क्षेत्र के किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से प्रकरण में नियत दिनांक 23/01/2026 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति पेश कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 08/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलय की मुद्रा से जारी किया गया है।

अनुविभागीय अधिकारी (रा०)
भैयाथान जिला-सूरजपुर (छ०ग०)

पांच साल पुरानी पोस्ट पर खड़ा हुआ हंगामा

मुंबई। एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक स्क्रीनशॉट वायरल है, जिसमें एक लड़की भूषण कुमार और नोरा फतेही के लिंकअप पर बात कर रही है। वह कहती है, 'नोरा लग्जरी बैग, कपड़े, कार का खर्च कैसे उठा सकती हैं। वह पोस्ट में इसकी वजह भूषण कुमार के साथ उनके कथित रिश्ते को बताती है। यह पोस्ट लगभग पांच साल पुरानी है। लेकिन, हाल में भी जब इस पोस्ट का स्क्रीनशॉट सामने आया तो नोरा ने इस पर रिएक्शन दिया और लिखा, 'वाउ'। इस तरह कहीं ना कहीं नोरा ने इन अफवाहों पर मजाक उड़ाया है।

लाइफ Style

त्रिधा

मेरे सामने उसे गलत तरीके से टच किया

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अक्सर स्टार्स के साथ छेड़छाड़ और कास्टिंग काउच की खबरें सुनने को मिलती हैं। कई बार एक्ट्रेसेस को फिल्मों और सीरियल्स में रोल के बदले कंप्रोमाइज के ऑफर तक दिए जाते हैं।

एजेंसी ⏭ मुंबई

ऐसे में अब जानी मानी एक्ट्रेस त्रिधा चौधरी ने भी अपनी एक फीमेल को-एक्ट्रेस संग सेट पर हुई एक ऐसी ही घटना का जिक्र अपने हालिया इंटरव्यू में किया। त्रिधा ने बताया कि कैसे उसे उनके ही सामने गलत तरीके से टच किया गया था। त्रिधा चौधरी जल्द ही कपिल शर्मा के साथ फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' में नजर आने वाली हैं। मूवी में उनके साथ बिग बॉस फेम और 'धुरंधर' के आइटम सॉन्ग से चर्चा में आईं आयशा खान भी नजर आने वाली हैं। ऐसे में त्रिधा ने हाल ही में एक इंटरव्यू दिया है। इस दौरान त्रिधा ने प्रोफेशनल लाइफ के साथ पर्सनल लाइफ पर किए गए सभी सवालों के खुलकर जवाब दिए। इंटरव्यू में त्रिधा से पूछा कि क्या कभी किसी ने गलत तरीके से अप्रोच किया है। आयशा ने बिग बॉस में बताया था कि उनके साथ ऐसा कुछ हो चुका है। इस पर त्रिधा ने खुलासा किया, 'फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' के सेट पर एक बार किसी ने आयशा खान को गलत तरीके से छुआ था, और यह घटना उनकी आंखों के सामने हुई थी। त्रिधा अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, 'हालांकि, उन्होंने मौके पर कोई विरोध नहीं किया लेकिन बाद में इस बारे में बात की और कहा कि ऐसी घटनाओं से बचना चाहिए।

हॉलीवुड मसाला

ऑल दैट में की थीं काम

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड स्टार कियाना अंडरवुड का सिर्फ 33 साल की उम्र में निधन हो गया है। वो निकेलोडियन के 'ऑल दैट' के आखिरी सीजन में नजर आई थीं। कियाना अंडरवुड 2005 में लोकप्रिय स्केच कॉमेडी सीरीज 'ऑल दैट' के सात एपिसोड में अमांडा बाइनेंस, निक कैनन और केनन थॉम्पसन जैसे सितारों के साथ नजर आई थीं। उन्होंने निकेलोडियन के 'लिटिल बिल' में भी काम किया था। बिल कॉस्बी द्वारा निर्मित एनिमेटेड सीरीज 'लिटिल बिल' में उन्होंने मुख्य किरदार की चचेरी बहन फुच्सिया ग्लोवर को आवाज दी।

अवतारः फायर एंड ऐश ओटीटी पर होगी रिलीज

लॉस एंजिल्स। जेम्स कैमरून ने साल 2009 में पहली बार 'अवतार' फिल्म बनाई थी। अब इसका तीसरा पार्ट दिसंबर 2025 में रिलीज हुआ। इसने वर्ल्डवाइड 11,200 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया है। फिल्म को अब आप घर बैठकर देख सकते हैं। हालांकि, ऑफिशियल ऐलान होना बाकी है। जेम्स कैमरून की साइंस-फिक्शन मूवी 'अवतारः फायर एंड ऐश' ने ग्लोबली बॉक्स ऑफिस पर 11,200 करोड़ रुपए कमाई की। ये 19 दिसंबर 2025 को थिएटर्स में रिलीज हुई थी। अब आप इसे घर बैठकर ऑनलाइन देख सकते हैं। जेम्स कैमरून के निर्देशन में बनी 'अवतार 3' को ग्लोबली दर्शकों का जबरदस्त रिएक्शन मिला। इसने वर्ल्डवाइड 11,200 की कमाई कर ली है। हालांकि, भारत में सभी भाषाओं में 170 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया।

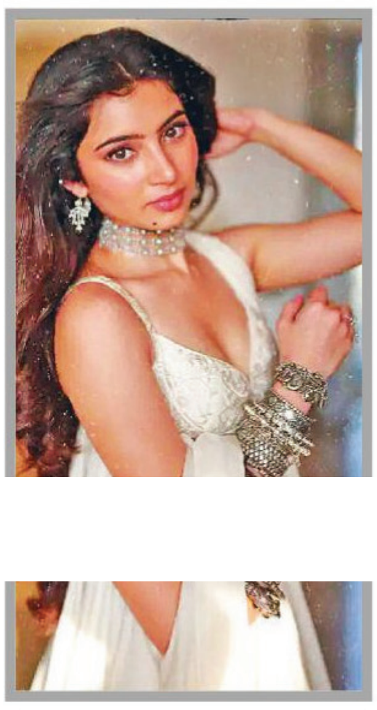

रणवीर नहीं, विजय की दीवानी हैं सारा

मुंबई। 'धुरंधर' में 20 साल की सारा अर्जुन ने इतनी कम उम्र में वो मुकाम हासिल किया, जिसे पाने में स्टार्स को सालों लग जाते हैं। 'धुरंधर' की सक्सेस के बाद सारा हर जगह सुर्खियों में बनी हुई हैं। लेकिन, आप जानकर हैरान होंगे कि जिस एक्टर के साथ पर्दे पर उनकी केमिस्ट्री को इतना पसंद किया जा रहा है, वो ही उनका फेवरेट स्टार नहीं, बल्कि कोई और है। दरअसल, हाल ही में सारा अर्जुन 'यूफोरिया' फिल्म के ट्रेलर लॉन्च पर पहुंचीं। जहां सारा ने अपनी मौजूदगी से हर किसी का ध्यान खींचा। ऐसे में सारा से पूछा गया कि वो किस एक्टर की सबसे बड़ी फैन हैं? लोगों को उम्मीद थी कि वो अपने 'धुरंधर' में उनके को-एक्टर रणवीर सिंह का नाम लेंगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सारा ने फटाक से जवाब देते हुए कहा कि वो साउथ सुपरस्टार विजय देवरकोंडा को काफी पसंद करती हैं।

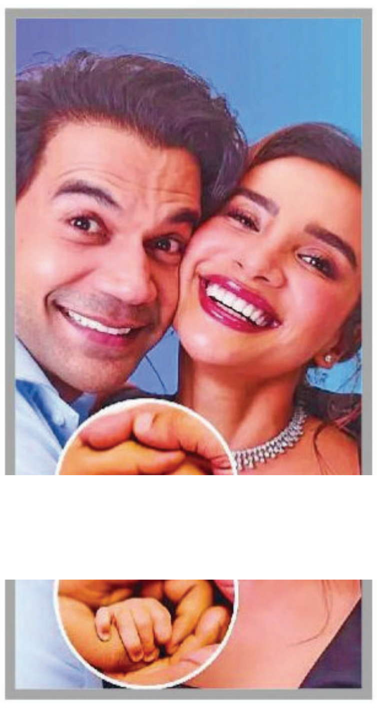

राजकुमार ने किया बिटिया का नामकरण...

मुंबई। राजकुमार राव और पत्रलेखा ने अपनी बेबी गर्ल की पहली झलक फैंस को दिखाई है। साथ ही बेटी के नाम से भी पर्दा हटाया है। कपल ने 15 नवंबर, 2025 को बेटी का स्वागत किया था। रविवार को उन्होंने बेटी का नामकरण किया है। राजकुमार राव और पत्रलेखा ने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक संयुक्त पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने एक तस्वीर के साथ लिखा है, 'हाथ जोड़कर और पूरे दिल से, हम अपने सबसे बड़े आशीर्वाद से आपको मिलवा रहे हैं'। आगे उन्होंने बेटी का नाम लिखा है, 'पार्वती पॉल राव'। राजकुमार राव और पत्रलेखा ने अपनी बेटी की पहली झलक भी हालिया पोस्ट के जरिए दिखाई है। हालांकि, कपल ने बेटी का चेहरा रिवील नहीं किया है। उन्होंने एक फोटो शेयर की है, जिसमें पत्रलेखा और राजकुमार राव ने अपने हाथों में नन्ही परी का हाथ थाम रखा है।

टीवी मसाला

आनंद कुमार की सुपर 30 का स्टूडेंट पहुंचा शार्क के मंच पर

नई दिल्ली। शार्क टैंक इंडिया के पिछले सीजन ऑडियंस के बीच जबरदस्त हिट रहे हैं। देशभर से लोग अपना नया आईडिया लेकर शार्क के पास फंडिंग के लिए पहुंचे थे। शो की सफलता देखते हुए शार्क टैंक इंडिया सीजन 5 आया और आते ही हिट हो गया। इस बार शो पर आनंद कुमार की सुपर 30 से उनका एक पुराना स्टूडेंट पहुंचा है जिसने अपने बिजनेस आईडिया से शार्क को भी हैरान कर दिया। आदित्य आनंद नाम के इस शख्स ने बताया कि इन्होंने आनंद कुमार की सुपर 30 वाले बैच से अपनी पढ़ाई की थी। और अपना बिजनेस चला रहे हैं। आदित्य मुंगेर बिहार के रहने वाले हैं। आनंद कुमार के जीवन पर ही ऋतिक रोशन की फिल्म सुपर 30 बनाई गई थी। आनंद कुमार गरीब बच्चों को फ्री और कम से कम पैसों में पढ़ाते हैं। आदित्य भी एक समय में उनकी सुपर 30 का हिस्सा रहे हैं। आनंद कुमार से पढ़ने के बाद आदित्य ने IIT का एंट्रेंस एग्जाम पास किया और IIT कानपुर से अपनी पढ़ाई पूरी की। आदित्य ने बताया कि उन्होंने पांच साल तक काम किया और खुद सेविंग कर अपना नया बिजनेस शुरू किया है जो किसी भी कंपनी के डाटा स्टॉक रिसर्च में मददगार है। ये काम वो AI की मदद से करते हैं। आदित्य की ये बातें सुन सभी शार्क खुश हुए। बता दें, इसके अलावा शार्क के मंच पर कई बिजनेस आईडिया पहुंचे थे।

खतरों के खिलाड़ी 15 के कंटेस्टेंट्स की सामने आई टेंटेटिव लिस्ट

नई दिल्ली। स्टंट बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी सीजन 15' का साल 2025 में दर्शक इंतजार ही करते रह गए और ये शो टेलीकास्ट ही नहीं हुआ।

मगर अब इसके प्रीमियर को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। कलर्स टीवी और जियोहॉटस्टार पर प्रसारित होने वाले इस शो को हर बार की तरह रोहित शेट्टी ही होस्ट करेंगे। 'बिग बॉस तक' की रिपोर्ट के मुताबिक, 'खतरों के खिलाड़ी सीजन 15' की शूटिंग जहां पहले जनवरी में शुरू होनी थी। वहीं, अब दावा किया जा रहा है कि मई में सभी एपिसोड्स शूट किए जाएंगे और जून, 2026 में इसका प्रीमियर होगा। हालांकि, अभी किस जगह पर सेट बनाना है, ये तय नहीं हुआ है। मेकर्स अभी लोकेशन को फाइनलाइज करने का काम कर रहे हैं। शो को लेकर कंटेस्टेंट्स की टेंटेटिव लिस्ट्स भी सामने आई है। 'बॉम्बे टाइम्स' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 'बिग बॉस 19' के विनर गौरव खन्ना और रनर-अप रहीं फरहाना भट्ट इस सीजन का हिस्सा हो सकती हैं। इनके अलावा, अभिषेक बजाज, बसीर अली का भी नाम सामने आ रहा है।

2016 के ट्रेंड में शामिल हुईं भूमि

शेयर की अक्षय के साथ पहली तस्वीर

मुंबई। भूमि पेडनेकर भी बॉलीवुड की बाकी सेलेब्स की तरह सोशल मीडिया पर '2016' ट्रेंड में शामिल हो गई हैं। अपनी तस्वीरों की एक पोस्ट में भूमि ने उस साल के कई पलों को साझा किया है, जिनमें अक्षय कुमार के साथ उनकी पहली तस्वीर, बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन के लिए पिलाटेस सेशन शामिल हैं। भूमि की ये पोस्ट अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

भूमि ने 2015 में फिल्म दम लगा के हईशा से अपनी एक्टिंग की शुरुआत की थी। आयुष्मान खुराना के साथ इस फिल्म में भूमि ने एक मोटी टीचर का रोल निभाया था। उस समय उन्होंने पुरानी सोच को तोड़कर अपने अभिनय से सबको प्रभावित किया था। 2016 में उन्होंने अपना वजन कम किया और अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'टॉयलेटः एक प्रेम कथा' में काम किया। अपनी नई पोस्ट में, भूमि ने 2016 के कुछ यादगार पलों को शेयर किया, जैसे उनका पहला फोटोशूट और बॉडी चेंज की तस्वीरें। भूमि पेडनेकर ने अपने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर कीं और कैप्शन में लिखा, '2016 सपनों से भरा साल था। 'टॉयलेट एक प्रेम कथा' के सेट पर- पहली स्लाइड में भूमि ने 'टॉयलेटः एक प्रेम कथा' के सेट से अक्षय के साथ एक मजेदार सेल्फी शेयर की है। दूसरी स्लाइड में उनके पहले फोटोशूट की तस्वीर है, जिसमें वो काली ड्रेस में पोज दे रही हैं। फिल्मफेयर मैगजीन में भूमि का पहला फीचर 2016 में आया था। उन्होंने अपने शरीर को बदलने के लिए पिलाटेस किए थे। भूमि की तस्वीरों में एक मजेदार तस्वीर अक्षय कुमार के साथ है। दोनों सेल्फी में साथ हैं, और पीछे एक भारतीय टॉयलेट दिख रहा है। आखिरी तस्वीर उनकी बहन समीक्षा पेडनेकर के साथ है। यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है और लोग इसकी बहुत तारीफ कर रहे हैं।

केवल एक घर में शूट हुई ये दिल छू लेने वाली फिल्म

मुंबई। अगर आप हिंदी फिल्में देखने के शौकीन हैं और कुछ नया और अलग कंटेंट देखना चाहते हैं तो हम आपको साल 2022 में आई एक ऐसी शॉर्ट फिल्म के बारे में बता रहे हैं जो आपको यकीनन पसंद आएगी। फिल्म में न तो बहुत से डायलोग्स हैं और न ही बहुत सारे किरदार, फिर भी ये हिंदी फिल्म यकीनन आपके दिल को छू लेगी। फिल्म में जियो हॉटस्टार पर देख सकते हैं। हम जिस फिल्म की बात कर रहे हैं उसका नाम है द लास्ट एनवेलप। फिल्म में केवल तीन किरदार हैं। फिल्म नें अनु कपूर, शीबा चड्ढा और तेहरान बख्शी नजर आए हैं। इस फिल्म की खास बात है कि फिल्म को केवल एक घर में शूट किया गया है। फिल्म में केवल एक लोकेशन और तीन कलाकार हैं।

जापान की इस सर्विस पर आधारित है फिल्म

यह फिल्म जापान में 1990 में शुरू हुई उस सर्विस पर आधारित है जहां सर्विस प्रोवाइडर्स कस्टमर्स को एक्टर्स प्रोवाइड कराते हैं जो उनके करीबी और रिश्तेदारों की जगह घर आते हैं और परिवार के साथ थोड़ा टाइम बिताते हैं और उनके रिश्तेदारों की तरह ही एक्ट करते हैं। यह सर्विस सबसे पहले जापान में शुरू हुई थी ताकि एक आदर्श समाजिक व्यवस्था और बुजर्गों के प्रति स्वस्थ और सकारात्मक दृष्टिकोण बनाया जा सके।

क्या है फिल्म की स्टोरीलाइन?

फिल्म की शुरुआत ऐसे मां-बाप से होती है जो अपने बेटे के बर्थ डे पर उसके घर आने का इंतजार कर रहे होते हैं। मां अपने बेटे के लिए उसके मन का खाना बना रही होती है। पिता घर की सफाई कर रहे होते हैं। फिर दरवाजे पर दस्तक होती है। माता-पिता दरवाजा खोलकर बेटे का स्वागत करते हैं। पूरा परिवार एक साथ एंजॉय कर रहा होता है कि तभी बेटे की नजर घड़ी पर पड़ती है और कमरे में सन्नाटा छा जाता है। इसके बाद कहानी में एक ट्विस्ट आता है। ऐसा ट्विस्ट जो किसी को भी इमोशनल कर सकता है।

अगर तुम आना चाहती हो, तो क्या मैं मना कर दूं

9 भाषाओं में बनाई गई ये तेलुगू फिल्म, 8 में हुई हिट

मुंबई। करीब 26 साल पहले एक ऐसी तेलुगू फिल्म रिलीज हुई थी जिसे कई भाषाओं में बनाया गया था। एक शानदार कहानी जिसने कई मेकर्स को प्रभावित किया। आठ भाषाओं में सफल होने वाली इस फिल्म का हिंदी रीमेक फ्लॉप निकला। साल 2005 तेलुगू भाषा में एक फिल्म रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने उस समय के बॉक्स ऑफिस नंबर्स को हिलाकर कर रख दिया था। सिर्फ 4 करोड़ में बनी इस फिल्म ने 18 करोड़ से ज्यादा की कमाई की थी। ये फिल्म इतनी पसंद की गई कि हिंदी समेत 9 भाषाओं में बनाया गया। 8 भाषा में जबरदस्त सफलता मिली लेकिन सिर्फ हिंदी में ये फिल्म फ्लॉप साबित हुई। अपना बजट भी नहीं निकाल पाई। इस फिल्म का तेलुगू नाम है 'नुव्वोस्तानान्ते नेनोददंताना'। इस नाम का हिंदी मतलब है 'अगर तुम आना चाहती हो, तो क्या मैं मना कर दूं?'।

अनोखी रोमांस पर आधारित थी

प्रभुदेवा के डायरेक्शन में बनी फिल्म नुव्वोस्तानान्ते नेनोददंताना एक्टर सिद्धार्थ, तृषा, श्रीहरी के साथ मिलकर बनाई गई थी। फिल्म में एक छोटे रोल में प्रकाश राज भी नजर आए और खुद डायरेक्टर प्रभु देवा ने कैमियो किया था। फिल्म एक अनोखी रोमांस पर आधारित थी। उस समय ऐसी कहानी कम ही देखी गई थी इसलिए इस तेलुगू वर्जन को ऑडियंस ने खूब प्यार दिया। फिल्म को IMDB पर 7।9 की रेटिंग मिली है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस फिल्म की कहानी सलमान खान की फिल्म 'मैंने प्यार किया' से प्रेरित थी। फिल्म रिलीज हुई थी तो भीड़ थिएटर के बाहर जमा होने लगी थी। ये सबूत था इस फिल्म की सफलता का। बाद में इस फिल्म को 9 भाषाओं में बनाया गया।

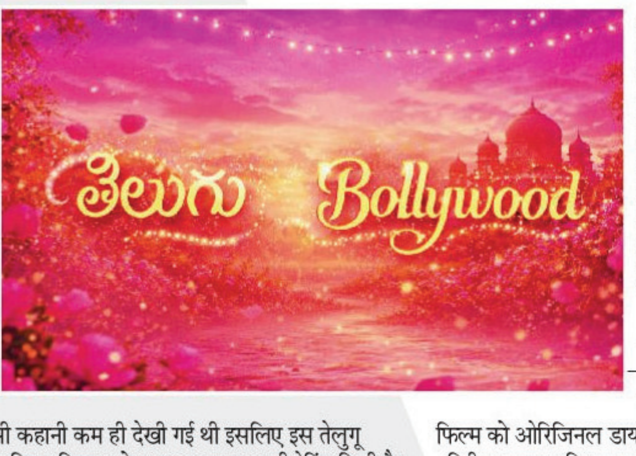

रमैया वस्तावैया 2013 में हुई थी रिलीज

साल 2006 में इसी फिल्म का तमिल रीमेक रिलीज हुआ जिसका नाम था उनक्कुम एनाक्कुम, कन्नड़ में नीनेलो नानाल्ले, बंगाली में आई लव यू, मणिपुर में निंगोल थाजबा, ओड़िया में सुना चढ़ी मो रूपा चढ़ी, पंजाबी में तेरा मेरा की रिश्ता, बंगलादेशी में निसाश अमर तुमि, नेपाली में द फ्लैश बैकः फर्केरा हेर्दा, हिंदी में बनाई गई थी रमैया वस्तावैया जो साल 2013 में रिलीज हुई थी।

हिंदी में फ्लॉप

हिंदी रीमेक रमैया वस्तावैया का रिलीज हु थी। इस फिल्म को ओरिजिनल डायरेक्टर प्रभु देवा ने ही डायरेक्ट किया था। फिल्म में गिरीश कुमार श्रुति हासन लीड रोल में थे और सोनू सूद ने निभाया था भाई का किरदार। 38 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर सिर्फ 36 करोड़ ही कमाए थे। बॉक्स ऑफिस पर ये अकेली रीमेक फिल्म थी जो फ्लॉप हुई। अपना बजट भी नहीं निकाल पाई थी। हालांकि ऑडियंस ने इस फिल्म का म्यूजिक पसंद किया था।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर जिले को मिलेगा राज्य स्तरीय सम्मान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस 2026 के अवसर पर सूरजपुर को सर्वश्रेष्ठ निर्वाचन जिला पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है। यह सम्मान निर्वाचन प्रबंधन एवं लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में जिले द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रदान किया जाएगा। राष्ट्रीय मतदाता दिवस 2026 का राज्य स्तरीय समारोह 25 जनवरी को विवेकानंद सभागार, इंदिरा गांधी कृषि महाविद्यालय, रायपुर में आयोजित किया जाएगा। समारोह में जिले की इस उपलब्धि को राज्य स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर एस जयवर्धन के नेतृत्व में जिला प्रशासन द्वारा सुव्यवस्थित निर्वाचन प्रबंधन, प्रभावी लॉजिस्टिक व्यवस्था एवं मतदाता सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए किए गए प्रयासों को यह सम्मान मिला है। कलेक्टर ने कहा कि यह उपलब्धि जिले के लिए गौरव का विषय है और भविष्य में निर्वाचन प्रक्रिया को और अधिक मजबूत बनाने के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगी। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इसके लिए बधाई दीं है।

जगरन्नाथपुर ओपन कास्ट खदान से कोयला चोरी मामले में 3 आरोपी गिरफ्तार

0 43 टन चोरी कोयला, 3 नग मोबाईल किया गया बरामद
0 चोरी करने के एवज में आरोपियों को मिला था 1.20 लाख

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जगरन्नाथपुर ओपन कास्ट खदान से ट्रक ट्राला से कोयला चोरी मामले में चौकी खड़गवां पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामले में 43 टन कोयला, 3 मोबाईल जप्त किया गया है। जिसकी कीमत 2.30 लाख बताई गई है।

16 जनवरी को जगरन्नाथपुर ओपन कास्ट के मैनेजर माईनिंग ने चौकी खड़गवां में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 15 जनवरी को प्रदाय डीओ क्रमांक 3330075933 ग्रेड जी-9 का कोयला एफएसए में केएसके महानदी पावर कंपनी लिमिटेड को 20 हजार टन दिया गया है। जिसका कोयला उठाने दोपहर में अधिकृत लिफ्टर के द्वारा ट्रक ट्राला क्रमांक सीजी 10 बीएल 9649 नियमानुसार खदान के अंदर कराया गया था यह गाडी कांटा नहीं कराकर सीधा कोयला स्टाक यार्ड में कोयला लोड कराया और बिना वजन कराये खदान के गेट से सीएचपी

डब्ल्यूडब्ल्यूएस गाडी के पीछे सटाकर लोड ट्रक करीब 40 टन कोयला कीमती करीब 1.90 लाख का चोरी कर लिया गया। रिपोर्ट पर धारा 305(ख), 3(5) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। खड़गवां पुलिस ने विवेचना के दौरान मुखबीर की सूचना पर कोयला लोड ट्रक ट्राला क्रमांक सीजी 10 बीएल 9649 को चठिरमा स्थित एक पेट्रोल पंप के पास से बरामद किया गया। जिसमें 43 टन कोयला लोड़ था जिसकी कीमत करीब 2 लाख 30 हजार रूपये है। खदान में लगे सीसीटीव्ही कैमरा एवं लोगों से पूछताछ के आधार पर संदेही निरज यादव, मनीष यादव, आशीष यादव तीनों निवासी ग्राम खडगवांकला झीगापारा चौकी खडगवां को पकड़ा गया।

पूछताछ पर तीनों ने बताया कि बिलासपुर निवासी एक व्यक्ति के द्वारा खदान से कोयला चोरी करने की बात कहकर प्रति गाड़ी 60 हजार रूपये देने की बात कहकर 2 गाड़ी का 1.20 लाख मोबाईल से दिया था और खदान में सेटिंग होने की बात कही थी। पैसा लेने के उपरान्त तीनों आरोपियों के द्वारा 15 जनवरी को दोपहर में ट्रक ट्राला क्रमांक सीजी 10 बीएल 9649 को लेकर खदान के अंदर गए और कोयला चोरी कर ट्राला लोड़ कर वहां से निकले और उसे चठिरमा स्थित पेट्रोल पंप के पास खड़ा कर भाग निकले। मामले में तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। प्रकरण में फरार अन्य आरोपी की पतासाजी की जा रही है। इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी खडगवां रघुवंश सिंह, प्रधान आरक्षक रजनीश त्रिपाठी, नंदकिशोर राजवाड़े, आरक्षक मनोज राय, राजेन्द्र उरांव, अवधेश कुशवाहा व सैनिक प्रवीण मिश्रा सक्रिय रहे।

जिले को पूर्ण साक्षर करने कलेक्टर ने जारी किए निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले को पूर्ण साक्षर घोषित किए जाने की दिशा में आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने हेतु कलेक्टर एस. जयवर्धन ने समस्त विकासखंड शिक्षा अधिकारी, विकासखंड स्त्रोत केंद्र समन्वयक एवं विकासखंड परियोजना अधिकारी को निर्देश जारी किए हैं। यह निर्देश कार्यालय राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण रायपुर के पत्र के संदर्भ में जारी किए गए हैं। पत्र में उल्लेख किया गया है कि बुनियादी साक्षरता, शिक्षा प्राप्त करने और जीविकोपार्जन का अवसर प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार है। साक्षरता न केवल व्यक्ति के व्यक्तित्व, नागरिक एवं आर्थिक विकास में सहायक है, बल्कि आजीवन सीखने के नए अवसर भी प्रदान करती है। इसी उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है, जिसका लक्ष्य 15 वर्ष से अधिक आयु के ऐसे वयस्कों को सशक्त बनाना है, जिन्होंने औपचारिक स्कूली शिक्षा प्राप्त नहीं की है।

पत्र में साक्षरता की स्पष्ट परिभाषा देते हुए बताया गया है कि साक्षरता का आशय केवल पढ़ने-लिखने तक सीमित नहीं है, बल्कि समझ के साथ गणना करने की क्षमता, डिजिटल साक्षरता, वित्तीय साक्षरता एवं अन्य महत्वपूर्ण जीवन कौशलों से भी जुड़ा हुआ है। किसी राज्य या जिले में 95 प्रतिशत साक्षरता स्तर प्राप्त होने पर

उसे पूर्ण साक्षर के समतुल्य माना जा सकता है। उल्लास कार्यक्रम के अंतर्गत मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक मूल्यांकन परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात गैर-साक्षर व्यक्ति को साक्षर घोषित किया जाएगा। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही करते हुए जिले में चिन्हित निरक्षर व्यक्तियों को उल्लास कार्यक्रम से जोड़कर साक्षर घोषित करने की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण की जाए तथा की गई कार्यवाही से जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण सूरजपुर को अवगत कराया जाए।

हृदय रोग से पीड़ित बच्ची का हुआ नि:शुल्क उपचार, गृह भ्रमण पर पहुंचे सीएमएचओ

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के.डी पैकरा एवं डीपीएम द्वारा विकासखंड प्रेमनगर के ग्राम नवापारा कला में हृदय रोग से पीड़ित बच्ची आल्या, पिता धन साय के निवास पर गृह भ्रमण किया गया। उल्लेखनीय है कि बच्ची का सफल नि:शुल्क ऑपरेशन राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के माध्यम से श्री सत्य साईं संजीवनी हॉस्पिटल, रायपुर में कराया गया था। गृह भ्रमण के दौरान स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा बच्ची का आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा परिजनों से बच्ची के वर्तमान स्वास्थ्य की जानकारी ली गई। जांच में बच्ची पूर्णत: स्वस्थ पाई गई। उपचार से संतुष्ट परिजनों ने जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया। कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशानुसार जिले के हृदय रोग से पीड़ित बच्चों को श्री सत्य साईं संजीवनी हॉस्पिटल, रायपुर के सहयोग से नि:शुल्क इलाज की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इस पहल से जिले के जरूरतमंद बच्चों को समय पर उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधा मिल रही है, जिससे उनके जीवन को नई दिशा मिल रही है।

चोरी हुए ट्रेक्टर को कोतवाली पुलिस ने कुड़ेली से किया बरामद

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। चोरी हुए ट्रेक्टर को कोतवाली पुलिस ने कोरिया जिले के कुड़ेली से बरामद किया है। बताया गया है कि 14 जनवरी को चंपकनगर के हिमांशु कुशवाहा ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसके द्वारा बंजा के हरिशचंद कुशवाहा से ट्रेक्टर क्रमांक सीजी 29 एई 5694 को खरीद गया है जो इसके नाम पर ट्रेक्टर का रजिस्ट्रेशन नहीं हुआ है। 13 जनवरी को अपने ट्रेक्टर से खेत का जोताई कर ट्रेक्टर को घर के सामने खड़ा किया था। रात्रि करीब 1 बजे घर से बाहर निकला तो देखा कि ट्रेक्टर वहां नहीं है कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है। रिपोर्ट पर धारा

303(2) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। एसडीओपी अभिषेक पैंकरा के मार्गदर्शन में कोतवाली पुलिस के द्वारा अज्ञात चोर की पतासाजी के दौरान मुखबीर से जानकारी मिली कि चोरी का ट्रेक्टर कुड़ेली में देखा गया है जिसके बाद पुलिस टीम वहां जाकर पतासाजी करने लगी। इसी बीच थाना पटना अन्तर्गत सतीपारा कुडेली में गड्ढा-झाड़ी में छिपाकर रखा गया ट्रेक्टर कीमत करीब 2.50 लाख को लावारिश हालत में पाया गया जिस बरामद किया गया है। मामले में अज्ञात चोर की पतासाजी की जा रही है। इस कार्यवाही में निरीक्षक राजेन्द्र साहू, एसआई अश्वनी पाण्डेय, एएसआई सुमंत पाण्डेय, प्रधान आरक्षक शिवकुमार, आरक्षक कामेश्वर टोप्पो व दशरथ राम सक्रिय रहे।

नितिन नवीन के भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर भाजयुमो ने मनाया जश्न, अग्रसेन चौक पर की आतिशबाजी, बांटी गई मिठाईयां

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। नितिन नवीन के भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने से गदगद भाजपा एवं भाजयुमो कार्यकर्ताओ ने जमकर आतिशबाजी की और एक दूसरे का मुंह मीठा कराकर अपनी खुशी का इजहार किया। मंगलवार को दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में नितिन नबीन ने देश की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद संभाला है। वे इस पद को संभालने वाले सबसे कम उम्र के नेता बन गए हैं। इस मौके पर यहां जिला मुख्यालय के अग्रसेन चौक में भाजपा जिलाध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी की उपस्थिति एवं भाजयुमो जिला अध्यक्ष देव गुप्ता के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं द्वारा जमकर आतिशबाजी की और सभी का मुंह मीठा कराकर जश्न मनाया गया। भाजपा जिलाध्यक्ष श्री सोनी ने नवनियुक्त भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को पद संभालने पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी संगठनात्मक क्षमता, राजनीतिक अनुभव और सार्वजनिक जीवन के प्रति प्रतिबद्धता भारतीय जनता पार्टी को मजबूती प्रदान करेगी और राष्ट्रीय राजनीति में सकारात्मक योगदान देगी। नितिन नबीन एनडीए गठबंधन को और मजबूत करने, सहयोगियों के बीच बेहतर तालमेल बनाने और विकसित भारत के लिए हमारे सामूहिक विजन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष देव गुप्ता ने भी नए राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन को बधाई एवं सफल कार्यकाल हेतु शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि पार्टी की बैठक और कार्यक्रमों में हमने श्री नबीन के कार्यों को देखा है और उनके विचारों को सुना है निश्चित ही उनका कार्यकाल सफल, प्रेरक और स्मरणीय रहेगा। उनका यह कार्यकाल पार्टी को नई गति प्रदान करते हुए राष्ट्रसेवा के संकल्प को और अधिक मजबूत करेगा। इस दौरान भाजपा के जिला महामंत्री शशिकांत गर्ग, अशोक सिंह, मंत्री दीपक गुप्ता, राजेश्वर तिवारी, भाजयुमो के पूर्व प्रदेश महामंत्री रितेश गुप्ता, जनपद अध्यक्षा स्वाति सिंह, संत सिंह, नगरपालिका उपाध्यक्ष शैलेश अग्रवाल, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष विजय राजवाड़े, शहर मंडल महामंत्री नीरज जिन्दिया, भाजयुमो के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य छोटू मुकेश साहू, शहर मंडल अध्यक्ष किशन देवांगन, पार्षद मुकेश गर्ग, प्रमोद तायल, पंकज चौबे, प्यारे साहू, भाजयुमो कार्यकर्ता बजरंग राजवाड़े, दीक्षित वर्मा, दिलीप साहू, श्रवण गोयल, विकास अग्रवाल, बंटी ठाकुर, आशीष गुप्ता, यश अग्रवाल, धरम सोनी, प्रदीप सोनी, सहीम अंसारी, सोनू साहू, संत सिंह, विकास मित्तल, नीरज गुप्ता, जितेन्द्र शर्मा, संदीप साहू, विजय नारायण राजवाडे, तिलक राजवाडे, कैलाश गुप्ता, पटेल, हेमंत बैगा, रौशन गुप्ता, विकास अग्रवाल, आर्यन गुप्ता, हर्ष गुप्ता, प्रदीप यादव, जय सिंह, संदीप जयसवाल मौजूद रहे।

कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास) सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)
संयुक्त जिला कार्यालय: भू-तल, कक्ष क्रमांक G3, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)
E-Mail ID-actwsurajpur@gmail.com

संक्षिप्त विज्ञापन

सूरजपुर, दिनांक 16.01.2026

क्रमांक 3495 वन अधि./आ.वि./2025-26 आयुक्त आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास रायपुर के पत्र क्रमांक/वन अधि./DA-JGUA/2025-26/6345 अटलनगर दिनांक 14.08.2025 द्वारा दिये गये निर्देशानुसार धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (DA-JGUA) के तहत् अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 एवं नियम 2007 यथा संशोधित नियम 2012 के क्रियान्वयन में सहयोग हेतु जिला एवं उपखण्ड स्तर के वन अधिकार प्रकोष्ठ में मानव संसाधन के रूप में क्रमशः जिला स्तरीय समन्वयक (समन्वयक वन अधिकार अधिनियम) तथा उपखण्ड स्तर पर एमआईएस सहायक (सहायक वन अधिकार अधिनियम) की नियुक्ति किया जाना है जिस हेतु इच्छुक अभ्यर्थी से कार्यालयीन पत्र क्रमांक/1855/वन अधि./आ.वि./2025-26 दिनांक 29.08.2025 द्वारा विज्ञापन जारी कर दिनांक 18.09.2025 तक आवेदन आमंत्रित किया गया था जिसका पात्र/अपात्र की सूची प्रकाशित किया जाकर दावा आपत्ति दिनांक 21.11.2025 तक समय सायं 05:30 बजे तक मंगाया गया था। प्राप्त दावा आपत्ति का निराकरण पश्चात अंतिम पात्र/अपात्र की सूची प्रकाशित की जा रही है। उक्त सूची कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास सूरजपुर के सूचना पटल एवं सूरजपुर जिले के वेबसाईट www.surajpur.nic.in पर देखी जा सकती है।

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास
जिला: सूरजपुर (छ.ग.)

जी-252606132/1

गणतंत्र दिवस मुख्य समारोह की सभी तैयारियां निर्धारित तिथि से पूर्व करें पूर्ण : जयवर्धन

कलेक्टर ने समय सीमा की बैठक में दिये आवश्यक निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। मंगलवार को कलेक्टर एस. जयवर्धन की अध्यक्षता में यहां जिला संयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों सहित विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा की गई।

स्टेडियम ग्राउंड में आयोजित मुख्य समारोह की सभी तैयारियां निर्धारित तिथि से पूर्व पूर्ण करने कलेक्टर ने निर्देश दिए। उन्होंने कार्यक्रम के सुव्यवस्थित एवं गरिमामय आयोजन के लिए कार्य विभाजन के आधार पर संबंधित अधिकारियों से क्रमवार चर्चा करते हुए सौंपे गए दायित्वों के अनुसार आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिले में बुनियादी सुविधाओं की समीक्षा के दौरान लोक निर्माण विभाग एवं पीडब्ल्यूडी सेतु विभाग से

सड़कों एवं पुल-पुलियों के निर्माण कार्यों की जानकारी ली गई। कृषि विभाग से पीएम किसान सम्मान निधि योजना , ग्रीष्मकालीन फसलों में धान के अतिरिक्त अन्य फसलों की पैदावार बढ़ाने की समीक्षा की गई। धान खरीदी की समीक्षा करते हुए टोकन के भौतिक सत्यापन, धान भंडारण, धान संग्रहण एवं अवैध धान की आवक रोकने के लिए सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए। महिला एवं बाल विकास विभाग से पोषण अभियान की प्रगति एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में प्रदाय की जा रही सुविधाओं की जानकारी ली गई।

स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत स्वच्छता कार्यक्रम, आकांक्षी शौचालय निर्माण तथा शहरी एवं ग्रामीण स्वच्छता की प्रगति की समीक्षा की गई। सीएसपीडीसीएल से पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति की जानकारी लेते हुए जहां विद्युतीकरण की समस्या है, वहां शीघ्र विद्युत प्रदाय दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए। जल जीवन मिशन के अंतर्गत जहां जल आपूर्ति प्रारंभ हो चुकी है, वहां कनेक्शन ग्राम पंचायतों को हैंडओवर करने के निर्देश दिए गए। खेल विभाग को सरगुजा ओलंपिक में अधिक से अधिक प्रतिभागियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, ताकि अधिक संख्या में बच्चे खेल प्रतियोगिताओं से जुड़ सकें। इसके साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति की भी जानकारी ली गई। इसके अलावा बैठक में उल्लास कार्यक्रम के तहत साक्षरता शपथ कलेक्टर श्री जयवर्धन द्वारा दिलाई गई। साथ ही कुदरगढ़ महोत्सव की तैयारियों सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा की गई।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले, अपर कलेक्टर, संयुक्त कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर, समस्त एसडीएम एवं अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कोल वाहनों की आवाजाही पर समयानुसार लगाए प्रतिबंध

सड़क सुरक्षा से संबंधित समीक्षा बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को कलेक्टर एस. जयवर्धन एवं पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर ने सड़क सुरक्षा मानकों के सख्ती से पालन के निर्देश दिए है।

अधिकारी द्वय ने आरटीओ एवं पीडब्ल्यूडी के कार्यपालन अभियंता को निर्देशित किया कि कोल एरिया में कोयला वाहनों की आवाजाही पर समयानुसार आवश्यक प्रतिबंध लगाया जाए, ताकि आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। साथ ही चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स पर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

ड्रंक एंड ड्राइव मामले में कड़ी कार्रवाई के निर्देश

बैठक में सड़कों पर डिवाइडर, स्ट्रीट लाइट, स्पीड ब्रेकर की समुचित व्यवस्था, अव्यवस्थित वाहन पार्किंग पर नियंत्रण तथा बिना हेलमेट व सीट बेल्ट के वाहन चलाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने पर जोर दिया गया। इसके अलावा ड्रंक एंड ड्राइव के मामलों में कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। इस दौरान निर्देशित किया गया कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सभी आवश्यक उपाय प्राथमिकता के आधार पर किए जाएं और संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें, ताकि जिले में सड़क सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया जा सके।

समितियों में व्यवसायियों द्वारा बड़े किसानों के खातों से धान बेचने का आरोप

शिवसेना ने कलेक्टर को सौपा ज्ञापन, जांच व कार्वाई की मांग

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शिवसेना की जिला इकाई ने कलेक्टर को ज्ञापन सौपकर समितियों मे व्यवसायियों द्वारा अवैध रूप से बड़े किसानों के खातो के माध्यम से धान बेचे जाने का आरोप लगाते हुए जांच व कार्वाई हेतु मांग की है। ज्ञापन में बताया गया है कि जिले के प्रेमनगर विकासखण्ड के चन्दननगर, उमेश्वरपुर, बकिरमा, कंचनपुर धान खरीदी केन्द्रो मे व्यवसायियों द्वारा खरीदी प्रभारियो से सांठ-गांठ कर बड़े किसानो के खातो मे जो 5 एकड़ से उपर के किसानो को निशाना बनाया जा रहा है। वहीं खरीदी केन्द्रो के समस्त स्टाफो के परिवार का 2020 से 025 तक के खातो की भी जांच कराये जाने की मांग की गई है आरोप लगाया गया है कि लाखों की काली कमाई इन खातों में धान खरीदी से रखी गई है। यदि इनकी जाँच करायी जायेगी तो निश्चित रूप से एक बड़ा घोटाला उजागर होगा। वहीं समस्त बड़े किसानो की भूमि की जाँच हेतु जिला स्तर की टीम गठित करने का आग्रह किया गया है, ताकि कितना फसल कितने जमीन पर लगी है उस धान एवं रकबा का जांच कराया जा सके। आरोप यह भी है कि समस्त धान खरीदी केन्द्रो एवं साथ मे किसानो जो रकबा कम किया गया है वर्तमान में पटवारी एवं खरीदी प्रभारियों से सांठ गांठ कर रकबा को बढ़वाया जा रहा है, किसानों को बरगलाकर साहूकार द्वारा धान बड़ी मात्रा मे खपाया जा रहा है। शिवसेना ने उक्त मामलो को ध्यान में रखते हुए जांच करा उचित कार्यवाही का आग्रह किया है। ज्ञापन सौपने वालो में जिला प्रमुख विष्णु वैष्णव, ग्रामीण जिला प्रमुख हेमंत कुमार महंत, महिला जिला प्रमुख पिंकी पटेल, बालकुंवर ,साहिल सहित शिव सैनिक शामिल रहे।

सरगुजा फ्रंटलाइन

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सब्जी मंडी में व्यापारियों के बीच चला लाठी-रॉड, दुकान में तोड़फोड़, एक का सिर फूटा

सीसीटीव्ही का डीबीआर और काउंटर से बिक्री का रकम निकालकर ले जाने का आरोप

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के कंपनी बाजार में संचालित सब्जी मंडी बाजार में आपसी प्रतिस्पर्धा के बीच जहां एक ओर किसान पिस रहे हैं, वहीं सिर फुटौव्वल की स्थिति बन रही है। मंगलवार को ऐसा ही एक मामला सामने आया है, जिसमें किसान के द्वारा लाए गए सब्जी को खरीद लेने की बात पर डंडा, रॉड निकला और एक सब्जी व्यापारी का सिर फूट गया। मारपीट में दोनों पक्ष के लोग जख्मी हुए हैं। मारपीट के बाद एक सब्जी व्यापारी ने दुकान में पहुंचे आधा दर्जन से अधिक लोगों के द्वारा तोड़फोड़ करके दुकान में मौजूद लड़के से मारपीट और सीसीटीव्ही को क्षतिग्रस्त करके डीबीआर व काउंटर में रखे बिक्री की रकम को लूटकर ले जाने का आरोप लगाया है। दुल्लू सब्जी भंडार के संचालक दुल्लू प्रसाद शौण्डिक व आकाश कुमार शौण्डिक का कहना है कि उनके यहां सब्जी बेचने के लिए आने वाले किसानों को रास्ते में रोककर सब्जी व्यापारी राजेंद्र साहू के द्वारा गुमराह करने का काम किया जा रहा था। उनके दुकान में सब्जी लाकर बेचने वाले किसान ने बताया था कि उसे सब्जी का अधिक रेट देने की बात कहकर बलपूर्वक रोक लिया गया और 100 रुपये की जगह 35 रुपये के भाव से सब्जी का दाम दिया गया। इसकी जानकारी मिलने पर वे राजेन्द्र साहू के पास गए और उनके यहां आने वाले किसानों को गुमराह करके सब्जी लेने पर आपत्ति किया, जिससे विवाद और मारपीट की स्थिति निर्मित हो गई। वहीं सब्जी व्यापारी राजेन्द्र प्रसाद साहू का कहना है कि किसानों का सब्जी कम भाव में बेचने और मेरा माल है, कहते हुए दुकान में पहुंचे उपेन्द्र, दुल्लू और जवाहिर के द्वारा रॉड, लाठी से सिर में हमला कर दिया गया। मारपीट में राजेन्द्र के सिर में गंभीर चोटें आई है। बीच-बचाव करने आए उनके पुत्र प्रियांशु गुप्ता से भी मारपीट की गई और मोबाइल फोन को तोड़फोड़ करके क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना के बाद दोनों पक्ष थाने पहुंचे, पुलिस ने घायल राजेन्द्र साहू का मरहम-पट्टी कराया है। बहरहाल घटना की जानकारी कोतवाली थाना पुलिस को दी गई है, जिस पर पुलिस अग्रिम जांच कार्रवाई कर रही है।

दिल्ली के डीलिस्टिंग गर्जना महारैली में सरगुजा संभाग से शामिल होंगे लाखों लोग

24 मई को दिल्ली के रामलीला मैदान में महारैली का होगा आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जनजाति सुरक्षा मंच केंद्र प्रांत की जशपुर में हुई बैठक में देश की राजधानी दिल्ली में 24 मई 2026 को रामलीला मैदान में होने वाले डी-लिस्टिंग गर्जना महारैली की तैयारियों पर विचार विमर्श किया गया। बैठक में राष्ट्रीय संयोजक गणेश राम भगत ने महारैली की पूरी जानकारी देते हुए बताया कि देश के इतिहास में यह पहला अवसर होगा जब देश के सभी जनजाति समाज के लाखों लोग, एक मुद्दे डी-लिस्टिंग पर एकजुट होकर मांग करेंगे। सरगुजा संभाग से भी प्रत्येक गांव से सैकड़ों की संख्या में लोग महारैली में शामिल होंगे। सरगुजा संभाग से 50 हजार से ज्यादा संख्या में जनजातीय समाज इसमें शिरकत करेगा। विकासखंड, जिला और प्रदेश स्तर की महारैली के बाद जनजातीय समाज अब दिल्ली में डी-लिस्टिंग गर्जना के लिए कूच करेगा। यह पहला अवसर होगा जब जनजातीय समाज देश की राजधानी में इस कानून की मांग करने वाला है।

प्रांत संयोजक रोशन प्रताप सिंह ने संगठनात्मक संरचना पर जोर देते हुए कहा कि जिला से लेकर ग्राम स्तर तक की समितियों के गठन कार्य को पूर्ण करके, सभी गांव में डी-लिस्टिंग की मांग का प्रस्ताव ग्राम सभा से पारित कराना है। आने वाले दिनों में सभी सांसद, विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महापौर, नगर पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, जिला पंचायत सदस्य, जनपद पंचायत सदस्य, सरपंच सहित सभी जनप्रतिनिधियों से मिलकर उनसे इस मांग पर समर्थन के लिए संपर्क अभियान चलाया जाएगा। बैठक में संरक्षक पनत राम भगत ने दिल्ली चलो की तैयारियों के कड़ी में गांव-गांव में जनजागरण यात्रा, पदयात्रा एवं वाहन यात्रा करने एवं प्रत्येक गांव एवं मोहल्ला में दिवाल लेखन पर जोर दिया। बैठक में संरक्षक महेश्वर राम, केंद्रीय टोली सदस्य रवि भगत, प्रांत सह संयोजक इन्दर भगत, लालदेव भगत, जिला संयोजक मानेश्वर भगत, संत सिंह, मेहीलाल आयाम, संपत लाल भगत, मानकेश्वर भगत, रज्जू राम, श्रीराम भगत, अमवती सिंह, जयंती भगत, शशिकरण खेस, स्वाति संत सिंह, प्रताप सिंह, दुखसिंह भगत, बालक राम भगत, फाल्गुनी नन्दे, रंजीत, अर्जुन सिंह, विद्यासागर सिंह, श्रीराम भगत, आशीष सहित प्रांत, जिला एवं विकासखंड के प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सूने मकान को चोरों ने खंगाला, 25 हजार का सामान ले गए

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। घर का ताला तोड़कर चोरों ने नकदी सहित करीब 25 हजार रुपये का सामान चोरी कर लिया।

जानकारी के मुताबिक सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम रायकेरा बगबुड़ापारा की पार्वती गोस्वामी पति संतोष गोस्वामी 55 वर्ष एक सप्ताह पूर्व घर में ताला बंद करके निजी काम से 18 जनवरी को दिन में 9 बजे अंबिकापुर गई थी। 19 जनवरी को सुबह फोन से उन्हें पता चला कि घर का ताला टूटा हुआ है, और का दरवाजा खुला है। सूचना मिलने पर 19 जनवरी को दोपहर 2 बजे के लगभग जब वह घर पहुंची तो पूरा सामान अस्त-व्यस्त था। अलमारी और पेटी को तोड़कर खंगालने के बाद चोर घर में लगे टीवी, सी.सी.टी.वी. कैमरा, डीवीआर, कांस का थाली और चिल्हर रकम को पार कर दिए थे। रिपोर्ट पर पुलिस केस दर्ज करके अग्रिम जांच कार्रवाई कर रही है।

कीटनाशक का सेवन की महिला की उपचार के दौरान मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शराब पीने के बाद अपने कमरे में सो रही महिला अज्ञात कारणों से कीटनाशक का सेवन कर ली, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक बलरामपुर-रामानुजगंज जिला के गणेश मोड़ पुलिस चैकी अंतर्गत ग्राम पुटसुरा निवासी पुटली देवी 45 वर्ष, घर में ही अलग रहती थी। मृतिका के पुत्र उमेश कच्छप ने पुलिस को बताया कि 16 जनवरी की शाम को शराब पीने के बाद रात में उसकी मां अपने कमरे में सो गई थी, परिवार के अन्य सदस्य भी खाना खाकर सो रहे थे। घटना दिनांक की शाम को वह मक्का फसल में पानी पटाने के लिए मोटर चालू करके छोड़ दिया था। देर रात लगभग दो बजे मक्का फसल में पानी की स्थिति को देखने के लिए उठा तो उसकी मां के कमरे में पंखा चलने और जोर-जोर से खर्राटा लेने का आवाज आ रहा था। दरवाजा नहीं खोलने पर पुत्र आरी ब्लेड से किसी तरह चिटकिनी को काटा और कमरे में गया तो फसल में छिड़काव करने वाले कीटनाशक का गंध आ रहा था और उसकी मां छटपटा रही थी। निजी वाहन से उसे लेकर जिला अस्पताल बलरामपुर पहुंचे, यहां से इलाज के बाद रेफर करने पर 17 जनवरी को मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराए थे, इलाज के दौरान 19 जनवरी को रात 9.30 बजे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतिका के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

पत्नी की हत्या के मामले में आरोपी पति जेल दाखिल

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। थाना कमलेश्वरपुर पुलिस टीम ने पत्नी की हत्या के मामले में आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। घर वापस आते समय पत्नी के बीच रास्ते में बार-बार लेट जाने एवं घर नहीं आने से नाराज होकर आरोपी ने डंडे से चोट पहुंचाकर हत्या की घटना को अंजाम दिया था।

कमलेश्वरपुर थाना पुलिस ने मर्ग जांच में पाया कि ग्राम बिसरपानी निवासी रामेश्वर सेनार के द्वारा डंडे से की गई मारपीट में उसकी पत्नी कुन्ती सेनार 50 वर्ष की मौत हुई है। मृतिका के शरीर पर कई जगह चॉट के निशान पाए गए थे। शव का जिला अस्पताल अंबिकापुर में पोस्टमार्टम कराया गया था, डॉक्टर ने शार्ट पी.एम. में हत्यात्मक प्रवृत्ति का लेख किया है। पुलिस ने आरोपी रामेश्वर सेनार पिता स्व. फगुओ सेनार 55 वर्ष के विरूद्ध धारा 103 (1) बीएनएस का मामला कायम किया है। पुलिस टीम आरोपी रामेश्वर सेनार को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो वह बताया कि घटना दिनांक 17 जनवरी आरोपी के भतीजा की मृत्यु हो गई थी। उसके अंतिम कार्यक्रम में शामिल होने ग्राम सुपलगा से मेहमान आए थे। मेहमान को खाना खिलाने के बाद वह अपनी पत्नी के साथ कुछ दूरी तक उन्हें छोड़ने गया था। मेहमान छोड़कर वापस घर आते समय उसकी पत्नी रोड में बार-बार जमीन पर लेट जा रही थी। बहुत घर लाने का प्रयास किया, लेकिन नहीं आई। इससे आवेशित होकर वह हाथ में रखे डंडा से अपनी पत्नी कुन्ती से कई बार मारपीट किया, जिससे वह बेहोश हो गई। बाद में घर आकर इसके बारे में बताया था। परिवार के लोग कुन्ती को इलाज के लिए ले गए इस दौरान वह दम तोड़ दी थी। पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार करके न्यायालय में पेश किया है। कार्रवाई में थाना कमलेश्वरपुर से सहायक उप निरीक्षक बैजनाथ राम, प्रधान आरक्षक रंजीत लकड़ा, आरक्षक सूरज राठिया, धनेश्वर पैंकरा, विजय भगत, लुकन कुजूर सक्रिय रहे।

आधार कार्ड फुटबॉल प्रतियोगिता संपन्न, शिवसागरपुर विजेता, सेंधोपारा उपविजेता

छ.ग.फ्रंटलाइन जरही। ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने और युवाओं में खेल भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सोनगरा मिनी स्टेडियम में आयोजित आधार कार्ड फुटबॉल प्रतियोगिता का उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता के अंतिम दिन खेल, संस्कृति और जनभागीदारी का अद्भुत संगम देखने को मिला, जिसने पूरे क्षेत्र को उत्सवमय वातावरण से भर दिया। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में शिवसागरपुर एवं सेंधोंपारा की मजबूत टीमों के बीच कड़ा और रोमांचक संघर्ष देखने को मिला। दोनों ही टीमों ने शुरू से अंत तक आक्रामक एवं संतुलित खेल का प्रदर्शन किया। निर्धारित समय तक कोई भी टीम निर्णायक बढ़त नहीं बना सकी, मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ। इसके पश्चात दर्शकों की सांसें थाम देने वाले पेनल्टी शूटआउट के माध्यम से विजेता का निर्णय किया गया। पेनल्टी शूटआउट में शिवसागरपुर की टीम ने बेहतर तालमेल, आत्मविश्वास और तकनीकी दक्षता का परिचय देते हुए अपने चारों अवसरों को गोल में तब्दील किया, जबकि सेंधोंपारा की टीम एक ही गोल कर सकी। इस प्रकार शिवसागरपुर ने 4-1 से जीत दर्ज कर प्रतियोगिता की विजेता ट्रॉफी अपने नाम की, सेंधोंपारा की टीम को उपविजेता बनकर संतोष करना पड़ा। खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखते हुए मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार शिवसागरपुर टीम के गोलकीपर मधुसूदन को मिला। पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के लिए सेंधोंपारा टीम के खिलाड़ी राजाराम को मैन ऑफ द सीरीज का खिताब ग्राम पंचायत सोनगरा की सरपंच कृष्णा सिंह के हाथों मिला। विजेता टीम को 8,000 एवं उपविजेता टीम को 4,000 रुपये पुरस्कार राशि प्रदान की गई। मैच को निष्पक्ष एवं सुचारु रूप से संपन्न कराने में रेफरी ललित, भागवत सिंह, रूपेश एवं बिट्टू की अहम भूमिका रही। इस अवसर पर जनपद पंचायत सदस्य राजेश पोर्ते, शिवनंदन पैकरा, सरपंच कृष्णा सिंह, मंडल उपाध्यक्ष शरद चंद्र द्विवेदी, बालेश्वर सिंह, विजय सोनी, राकेश राजवाड़े, सोमार साय सिंह, गोवर्धन सिंह मरकाम, अनुराग द्विवेदी, पारस सिंह, पीतांबरी पैकरा, शिवशंकर सिंह, श्यामाचरण, राम सिंह, पवन बरगाह, सुखदेव, पवन राम, बईगा मुन्ना सिंह, विनोद सिंह, मूलधर सहित हजारों की संख्या में जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

सांस्कृतिक प्रस्तुति ने मोहित किया

इस दौरान छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध कर्मा दल दिलसाय मरपच्ची एवं उनके साथियों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। कर्मा नृत्य और पारंपरिक लोकगीतों ने पूरे परिसर को सांस्कृतिक रंग में रंग दिया। यह दल हाल ही में रायपुर में आयोजित शासकीय कर्मा प्रतियोगिता में उपविजेता तथा सूरजपुर में आयोजित कर्मा प्रतियोगिता में विजेता रह चुका है। दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से कलाकारों का भरपूर उत्साहवर्धन किया। आयोजकों ने कहा कि इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण युवाओं में छिपी खेल प्रतिभाओं को आगे लाना, नशामुक्ति और अनुशासन का संदेश देना तथा खेल के माध्यम से आपसी भाईचारे को मजबूत करना था, जिसमें प्रतियोगिता पूर्णतः सफल रही। मंच संचालन मंडल संयोजक रंजय सिंह ने किया।

नितिन नबीन के निर्विरोध भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर कार्यकर्ताओं ने मनाया उत्सव

घड़ी चौक पर हर्षोल्लास कार्यक्रम में जमकर आतिशबाजी व मिठाई वितरण

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नितिन नबीन के निर्विरोध भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने पर भाजपा सरगुजा के कार्यकर्ताओं में उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर घड़ी चौक में भाजपा सरगुजा द्वारा हर्षोल्लास सभा का आयोजन किया गया, जहां भाजपा प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी एवं भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया के साथ बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़े और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया।

सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी और सशक्त कार्यकर्ता आधारित राजनीतिक पार्टी है। नितिन नबीन का राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में निर्विरोध चयन हम सभी कार्यकर्ताओं के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। भाजपा ही एकमात्र ऐसा दल है जहां एक सामान्य कार्यकर्ता संगठन के सर्वोच्च पद तक पहुंच सकता है और हम सबके साथ कार्यकर्ता के रूप में कार्य करने वाले नितिन नबीन इसके उदाहरण हैं। वे संगठन में कार्यकर्ता के रूप में कार्य करते हुए अपनी निष्ठा, क्षमता और समर्पण से यह मुकाम हासिल किए हैं। उनका नेतृत्व पार्टी को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि नितिन नबीन का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता की जीत है। यह चयन संगठन की लोकतांत्रिक और कार्यकर्ता-प्रधान परम्परा को सशक्त करता है। उनके नेतृत्व में भाजपा राष्ट्र निर्माण के अपने संकल्प को और मजबूती से आगे बढ़ाएगी। सरगुजा का प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता इस ऐतिहासिक निर्णय से उत्साहित है और पार्टी की नीतियों व विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए और अधिक ऊर्जा के साथ कार्य करेगा। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री विनोद हर्ष ने किया। इस अवसर पर महापौर मंजूषा भगत, पूर्व जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह, हरपाल सिंह भामरा, प्रदेश महामंत्री फुलेश्वरी सिंह, पूर्व सांसद कमलभान सिंह, अम्बिकेश केशरी, हरमिंदर सिंह टिन्नी, अभिमन्यु गुप्ता, विकास पांडेय, मधुसूदन शुक्ला, अरुणा सिंह, निश्चल प्रताप सिंह, मनीष सिंह, जनमेजय मिश्रा, मनोज गुप्ता, राजकुमार बंसल, रुपेश दुबे, मनोज कंसारी, राकेश बबलु गुप्ता, शुभांगी बिहाड़े, निशांत सिंह शोलू, जितेंद्र सोनी, रविन्द्र गुप्त भारती, संजीव वर्मा, गोल्डी बिहाड़े, प्रियंका चौबे सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा को मिलेगा नया वैचारिक एवं संगठनात्मक बल-राजेश अग्रवाल

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रव्यापी संगठनात्मक विस्तार एवं वैचारिक मजबूती की दिशा में ऐतिहासिक निर्णय के तहत वरिष्ठ नेता नितिन नबीन को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर मंत्री राजेश अग्रवाल के अंबिकापुर स्थित बंगले में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने मिठाई वितरण करके आतिशबाजी एवं जयघोष के साथ भव्य जश्न मनाया। मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा है कि इनका राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना केवल एक संगठनात्मक निर्णय नहीं, बल्कि राष्ट्रवादी विचारधारा, सुशासन एवं विकास के संकल्प को और अधिक मजबूती देने वाला कदम है। उनके नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी जन-जन की आकांक्षाओं को नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ाएगी तथा आगामी चुनावों में ऐतिहासिक सफलता अर्जित करेगी। कार्यकर्ताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि नितिन नबीन के कुशल नेतृत्व, संगठनात्मक अनुभव एवं दृढ़ निर्णय क्षमता से पार्टी कार्यकर्ताओं में नया उत्साह संचारित होगा और भाजपा राष्ट्र निर्माण के अपने संकल्प को और अधिक सशक्त रूप से साकार करेगी।

सांसद सदस्य सड़क सुरक्षा समिति की बैठक 23 को

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति सरगुजा की बैठक 23 जनवरी को प्रातः 11 बजे जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित की गई है। बैठक में सर्वसंबंधितों से निर्धारित तिथि एवं समय में उपस्थित होने का आग्रह किया गया है।

गौरी शंकर मंदिर बसदेई में सह योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। एक जनवरी 2026 से आयोजित 25 दिवसीय सह योग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर 20वें दिन गौरी शंकर मंदिर बसदेई जिला सूरजपुर में हुआ। पतंजलि योग समिति के सह राज्य प्रभारी कमलेश योगी द्वारा दीप प्रज्वलित कर प्रातः कालीन योग सत्र का शुभारंभ किया गया। उनका स्वागत सरगुजा लोक पर्व कर्मा नृत्य से किया गया। वे स्वयं कर्मा का आनंद लेते हुए कदम से कदम मिलाकर नृत्य का आनंद लिए और अपने उद्बोधन से सभी योग साधकों को योग के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए योगाभ्यास कराया और करें योग, रहें निरोग का संदेश दिया। शिविर संचालक योग सेवक राम प्रताप राजवाड़े, जिला प्रभारी पतंजलि योग समिति जिला सूरजपुर भी इस मौके पर उपस्थित रहे।

तकनीकी सहायक एवं रोजगार सहायक की सेवा समाप्त

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। महात्मा गांधी नरेगा योजनान्तर्गत निर्माण कार्यो में लापरवाही के संबंध में दोषी पाए जाने पर कलेक्टर एवं जिला कार्यक्रम समन्वयक अजीत वसंत द्वारा लुण्ड्रा के तकनीकी सहायक दिवाकर प्रधान की सेवा समाप्त कर दी है, इसके साथ ही ग्राम रोजगार सहायक को भी पद से पृथक कर दिया गया। जनपद पंचायत लुण्ड्रा ग्राम पंचायत किरकिमा में प्राप्त शिकायत पर आवश्यक कार्रवाई की गई। जानकारी के अनुसार लुण्ड्रा में पदस्थ तकनीकी सहायक दिवाकर प्रधान एवं ग्राम रोजगार सहायक संतोष यादव के द्वारा जान-बूझकर अनियमितता की गई। बनिया टोंगरी अमृत सरोवर एवं बरडांड तालाब गहरीकरण में मूल्यांकन अनुसार कार्य स्थल पर काम नहीं होना पाया गया। अमृत सरोवर जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में स्थल चयन में अनियमितता बरती गई तथा 03 वर्ष के भीतर एक तालाब को 02 बार स्वीकृत कराया गया। उक्त कार्य दिवाकर प्रधान द्वारा मनरेगा के प्रावधानों को दरकिनार कर गुणवत्ताहीन तरीके से करा दिया गया। जांच दल द्वारा प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर तकनीकी सहायक पर राशि 3.51लाख तथा रोजगार सहायक के ऊपर राशि 9.31 लाख में राशि अधिरोपित की गई। इस हेतु दोनों को अंतिम चेतावनी पत्र जारी कर आरोपित राशि जमा करने हेतु निर्देशित किया गया था किन्तु कोई राशि जमा नहीं की गई। इसके बाद प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराने हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत लुण्ड्रा को निर्देशित किया गया है। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि शासकीय योजनाओं के निर्माण कार्यों में अनियमितता को अनदेखा न किया जाए। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय कुमार अग्रवाल ने बताया कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर प्रशासन सजग है। विगत छह माह के दौरान लुण्ड्रा के एक और तकनीकी सहायक अजीत कुमार सिंह, अंबिकापुर के ग्राम पंचायत ससकालो के रोजगार सहायक अशीष कुमार, ग्राम पंचायत रनपुरकला की रोजगार सहायक पनमेश्वरी राजवाड़े, जनपद पंचायत उदयपुर ग्राम पंचायत भकुरमा की जोहानी एक्का एवं झिरमिटी के रोजगार सहायक विनय बजरंगी को भी पद से पृथक किया गया है।

निजी भूमि पर बाउंड्रीवाल बनाने पर बवाल, मारपीट के बाद झूठे केस में फंसाने की धमकी

छ.ग.फ्रंटलाइन प्रतापपुर। सूरजपुर जिले के गोविंदपुर पंचायत अंतर्गत चौकी रेवटी से कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया है। निजी पट्टे की भूमि पर बाउंड्रीवाल निर्माण करा रहे एक ग्रामीण के साथ खुलेआम मारपीट, जान से मारने की धमकी और उसके बाद झूठे एससी/एसटी एक्ट में फंसाने की धमकी देने का आरोप लगा है। पीड़ित लक्ष्मीनारायण पटेल (55) ने बताया कि सोमवार सुबह करीब 8.30 बजे, उनके निजी पट्टे की भूमि पर चल रहे बाउंड्रीवाल निर्माण को लेकर निर्मल नेताम एवं उसकी बहन मनबसिया ने सरपंच और अपने रिश्तेदारों की मौजूदगी में हमला किया। इस दौरान न सिर्फ मारपीट की गई, बल्कि खुले आम जान से मारने की धमकी भी दी गई। पीड़ित का आरोप है कि हमले के बाद दबाव बनाने के लिए एससी/एसटी एक्ट के झूठे केस में फंसाने की धमकी लगातार दी जा रही है, जिससे पूरा परिवार भय और मानसिक तनाव में है। हैरानी की बात यह है कि भूमि पूरी तरह कानूनी रूप से पट्टे पर दर्ज है, इसके बावजूद निर्माण कार्य को जबरन रोका जा रहा है। घटना की शिकायत चौकी रेवटी में की जा चुकी है। पीड़ित के पास एमएलसी रिपोर्ट भी मौजूद है, इसके बावजूद धमकियां दी जा रही है। पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक सूरजपुर, कलेक्टर सूरजपुर एवं आज़ाक थाना को लिखित आवेदन देकर निष्पक्ष जांच, पुलिस संरक्षण और सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर